

Daily

सच के हक में...

# THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

Ranchi • Wednesday, 12 November 2025 • Year : 03 • Issue : 294 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com



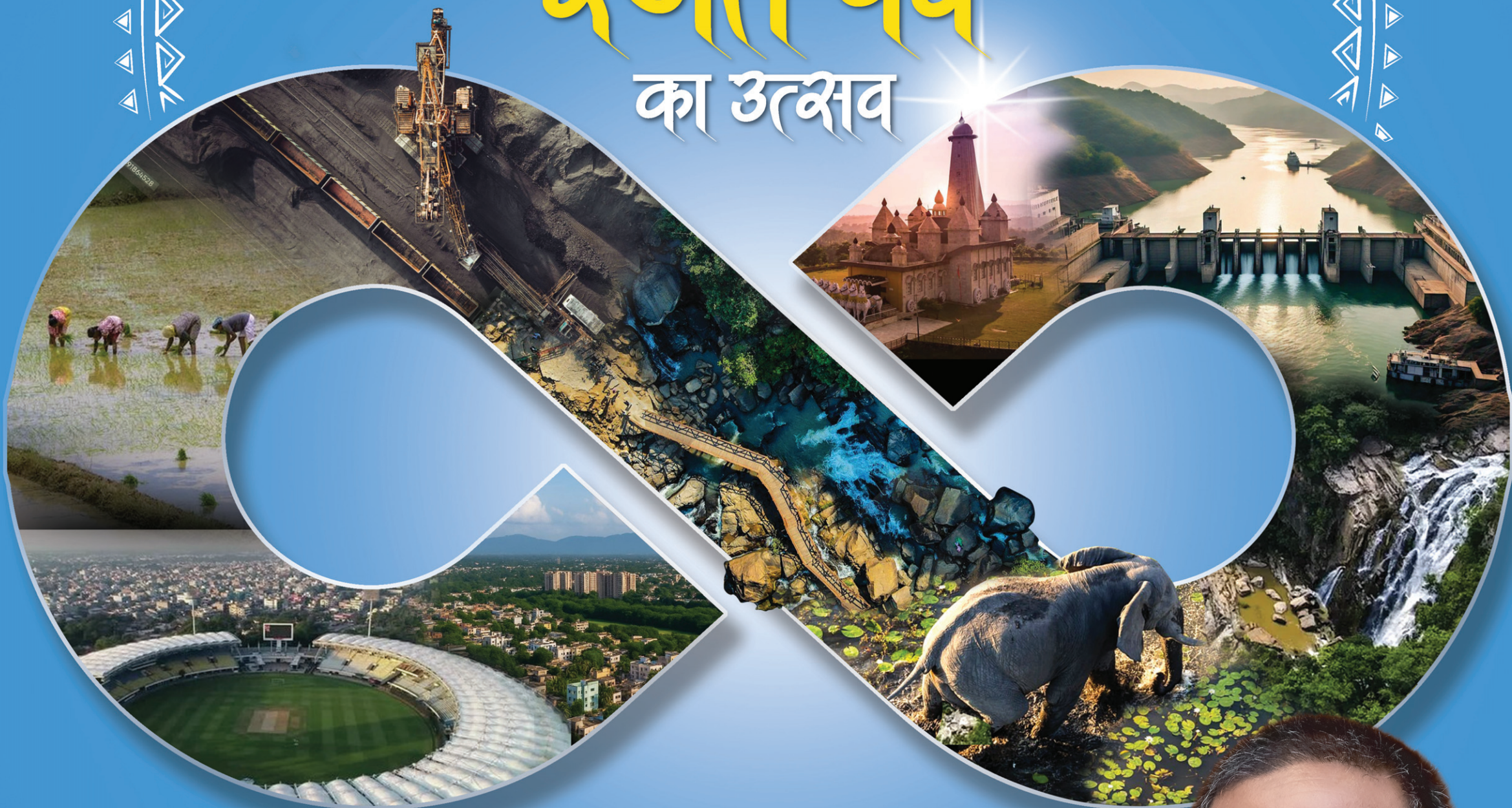
झारखण्ड



वर्ष

बजट पर्व

का उत्सव



उद्योग | पर्यटन | शिक्षा | स्वास्थ्य सुरक्षा | आधारभूत संरचना...

# अनंत संभावनाओं की ओर...

हेमन्त सोरेन  
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार







Rakul Preet Singh Reveals What...

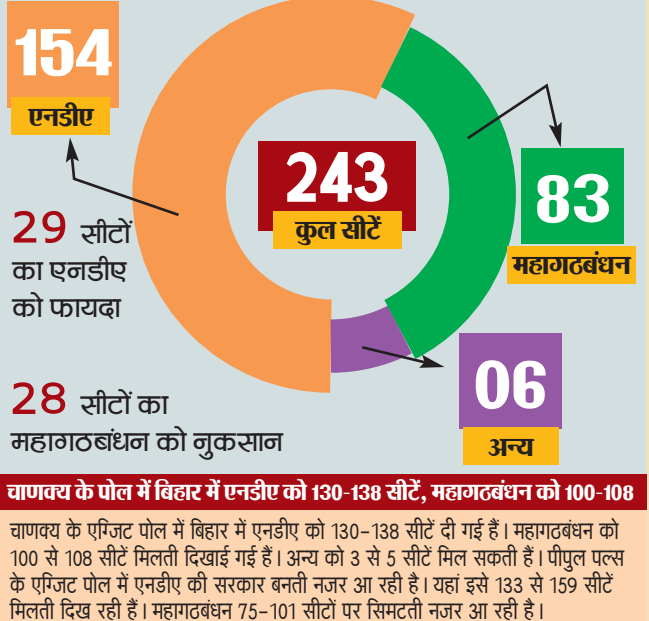
# एग्जिट पोलस में बंपर बहुमत के साथ बिहार में एनडीए की सरकार

**AGENCY PATNA :** मंगलवार को बिहार विधानसभा के दूसरे और आखिरी चरण का मतदान समाप्त होने के बाद किए गए एग्जिट पोलस में नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस यानी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बड़ी बढ़त के संकेत मिले हैं। 17 एजेंसियों के पोल ऑफ पोलस में एनडीए को 154 सीटें मिलने का अनुमान है। महागठबंधन को सिर्फ 83 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। अन्य के खाले में 06 सीटें जा सकती हैं। पहली बार चुनाव में उतरी प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी बेअसर नजर आ रही है। उसे 3-5 सीटें मिलने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि पिछले चुनाव में एनडीए को 125, महागठबंधन को 110 और अन्य को 8 विधानसभा क्षेत्र में जीत मिली थी। इस बार एनडीए को करीब 29 सीटों का फायदा, जबकि महागठबंधन को 28 सीटों का नुकसान होता दिख रहा है। राज्य में 243 सीटों पर दो फेज में चुनाव हुआ।

## 17 एजेंसियों के पोल ऑफ पोलस में 154 सीटें मिलने का अनुमान, महागठबंधन को सिर्फ 83 सीटें मिलने की जताई गई संभावना

**प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी को मिल सकती हैं 3-06 सीटें**

**पिछले चुनाव में एनडीए को 125, महागठबंधन को 110 और अन्य को 8 विधानसभा क्षेत्रों में मिली थी जीत**



**दूसरे और आखिरी चरण में रिकॉर्ड 68.52% वोटों ने किया मतदान**

मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव के आखिरी फेज का मतदान खत्म हो गया। 20 जिलों की 122 सीटों पर शाम 6 बजे तक 68.52 प्रतिशत मतदान हुआ है। हालांकि कतार में खड़े वोटर्स वोट डाल पाएंगे। वहीं सवेदनशील 4,109 वूथों पर शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई। आखिरी फेज में मुस्लिम बहुल किसानों में सबसे ज्यादा 76.26 प्रतिशत मतदान हुआ है। बंपर वोटिंग को लेकर केन्द्रीय मंत्री जितनराम मांडवी ने दावा किया कि, दूसरे फेज की 122 सीटों में से 80 हम जीतने वाले हैं। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा है कि, लोगों ने बंद-बंद मतदान कर रहे हैं। मेरा मन भगवान है। वोटिंग के दौरान अचल में हार्ट अटैक से पीटासीन पद्मिनी अधिकारी अरविंद कुमार की मौत हो गई।

**6 राज्यों की 7 सीटों पर भी बंपर वोटिंग**

मंगलवार को 6 राज्यों की 7 सीटों पर उपचुनाव के वोट डाले गए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जम्मू-कश्मीर के बडगाम और नगरकोट, राजस्थान के अंता, तेलंगाना के जुबली हिल्स, पंजाब के तरनतारन, मिजोरम के डम्पा और ओडिशा के नुआपाड़ा निर्वाचन क्षेत्रों में वोट डाले गए। जम्मू जिले के निर्वाचन क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 154 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं। राजस्थान में बारा जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए लोगों ने वोट डाला।

## घाटशिला उपचुनाव : 13 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद, 14 को होगा फैसला

**GHATSHILA :** घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव का मतदान मंगलवार की शाम 5 बजे तक शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इसके साथ ही 13 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। अब 14 नवंबर को मतगणना के बाद पता चलेगा कि जीत का सेहरा किस पर बंधेगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्याधी ने अनुमंडल कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बताया कि 300 वूथों से मिले आंकड़े के अनुसार, 74.63 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि 2024 में 75.83 प्रतिशत मतदान हुआ था। वूथ संख्या 95, 96 एवं 97 का ईवीएम सुरक्षा कारणों को देखते हुए बुधवार की सुबह स्ट्रॉंग रूम जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में जमा किया जाएगा। मतगणना के लिए लोगों ने वोट डाला।

**300 वूथों पर 74.63% मतदान**

**घाटशिला व घातभूमगढ़ थाना में कैसे**

कुल 15 टेबल लगाए गए हैं, जिसमें 20 राउंड मतगणना होगी। उन्होंने कहा कि ईवीएम मशीन में वोट डालने की तस्वीर सोशल मीडिया में पोस्ट की गई थी, इसे लेकर घाटशिला थाना में दो युवकों पर मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा घातभूमगढ़ थाना में भी एक मामला दर्ज किया गया है। वूथों पर दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए मतदान केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की गई थी।

**SHARE**

सेंसेक्स : 83,871.32

निफ्टी : 25,694.95

**SARAFI**

सोना : 11,725

चांदी : 170.00

(नोट : सोना 22 केरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

**इस्लामाबाद कोर्ट के पास आत्मघाती हमला, 12 मरे**

**NEW DELHI :** पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में भयानक धमाका देखने को मिला है। इस घटना में 12 लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हैं। यह धमाका इस्लामाबाद में अदालत के ठीक सामने हुआ। वहीं, धमाके की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। जिजो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यह एक आत्मघाती हमला था। इस्लामाबाद में कोर्ट के बाहर खड़ी कार में आतंक ब्लास्ट हो गया। इस घटना में 12 लोगों की मौत पर ही मौत हो गई और 21 लोग घायल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायलों में ज्यादातर वकील और याचिकाकर्ता शामिल हैं। धमाके के बाद पूरी कोर्ट में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने कोर्ट परिसर को फौरन खाली करवाया। कोर्ट में मौजूद लोगों को पीछे के दरवाजे से बाहर निकाला गया। वहीं, अदालत की सारी कार्यवाहियां भी रोक दी गईं।

**भारत पर आयात शुल्क किए जाएंगे कम : ट्रंप**

**NEW DELHI :** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माना कि भारत के खिलाफ लगाए गए आयात शुल्क काफी अधिक हैं और कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता होने वाला है और इसी के साथ भारत पर लगाए गये आयात शुल्क में कटौती की जाएगी। ट्रंप ने यहां आबल हाउस में भारत में निर्यात अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने संबन्धिताओं से कहा कि वर्तमान समय में भारत के रूस से तेल खरीदने के कारण उसपर लगाए गए शुल्क काफी ज्यादा है। ट्रंप ने कहा, उन्होंने अब यह तेल खरीदी बंद कर दी है और इसमें काफी कटौती हुई है।

## केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक दिन में दो बार की हाई लेवल मीटिंग

# दिल्ली ब्लास्ट केस में डॉ. उमर का दोस्त सज्जाद पुलवामा से अरेस्ट

**NEW DELHI @ PTI :**

मंगलवार को पुलिस ने लाल किला विस्फोट मामले की जांच एक संभावित आतंकवादी हमले के रूप में की और पुलवामा के एक डॉक्टर पर ध्यान केंद्रित किया, जो विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार को चला रहा था। पुलिस ने बताया कि पुलवामा के इस डॉक्टर का संबंध फरीदाबाद स्थित आतंकवादी मॉड्यूल से था, जिसका पदार्थाना वहां से विस्फोटक बरामद होने के बाद हुआ था। माना जा रहा है कि सोमवार शाम हुए विस्फोट में डॉ. उमर नबी की मौत हो गई है। मंगलवार को उसके दोस्त डॉ. सज्जाद को गिरफ्तार कर लिया गया। इस विस्फोट में अब मरने वालों की संख्या 12 हो गई है। इनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। दो मृतकों की पहचान हुई है। अन्य की पहचान डीएनए टेस्ट से होगी। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के अमरोहा निवासी अशोक कुमार (34) और दिल्ली निवासी अमर करारिया (35) के रूप में हुई है। 20 घायलों में से 12 दिल्ली के निवासी हैं तथा आठ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों के निवासी हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उमर की मां का डीएनए नमूना लिया, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके। श्रीनगर में एक अधिकारी ने कहा, हमने विस्फोट स्थल पर मिले अवशेषों का मिलान करने के लिए भी डीएनए नमूना लिया है। उधर, गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में दो बार हुईं हाई लेवल समीक्षा बैठक के बाद यह मामला जांच के लिए नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) को सौंप दिया गया है।

## भाई, मां-बाप हिरासत में, फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन जैश महिला विंग की हेड



**गृह मंत्रालय ने घटना के 20 घंटे बाद एनआईए को सौंपी मामले की जांच**

**ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या हुई 12, दो डेड बॉडी की हो सकी पहचान**

**20 घायलों का चला रहा इलाज, इनमें 12 दिल्ली के तथा आठ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों के विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल और डेटोनेटर का किया गया है इस्तेमाल**

**गिरफ्तार डॉ. शाहीन जैश आतंकी संभटन का भारत में महिला**

## कार का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

ब्लास्ट में जिस सफेद आई-20 कार का इस्तेमाल हुआ, उसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया। मेट्रो स्टेशन की पार्किंग से निकल रही कार में काला मास्क पहने एक शख्स बैठा दिखाई दिया। पुलिस के मुताबिक कार में बैठे शख्स का नाम डॉ. मोहम्मद उमर नबी है। यह पुलवामा का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उमर ने विस्फोटकों के साथ खुद को उड़ा लिया। पुलिस को शुरूआती जांच से पता चला है कि विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया। एक दिन पहले ही सज्जाद की शादी हुई है। वहीं आतंकी मॉड्यूल में हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार महिला डॉ. शाहीन शाहिद भारत में जैश की महिला विंग जमात-उल-मोमीनात की हेड थीं। पाकिस्तान में इसकी जिम्मेदारी आतंकी अजहर मसूद की बहन सादिया पर है।

## लखनऊ में डॉ. शाहीन शाहिद के घर एटीएस का छापा

दिल्ली ब्लास्ट के बाद यूपी में एटीएस ने ताबड़तोड़ छापेमारी की। एटीएस टीम के साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस मंगलवार दोपहर डॉक्टर शाहीन शाहिद के घर पहुंची। उसका घर लखनऊ में लालबाग इलाके के खदारी बाजार में है। टीम पूरे घर को खंगाला। आस-पड़ोस के लोगों से भी पूछताछ की गई। दोनों टीमों के सहयोग में लखनऊ पुलिस भी लगी रही। शाहीन को फरीदाबाद से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को अरेस्ट किया था। यह डॉक्टर मुजिबुल्ला शकील की गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उसकी कार से एके-47, पिस्टल और कारतूस बरामद किए थे।

## उमर कार में 3 घंटे बैठा रहा एक पल के लिए नहीं उतरा

दिल्ली घमाके की सोशल सेल के सूत्रों के मुताबिक, धमाके से पहले आई-20 कार पास की एक पार्किंग में करीब तीन घंटे तक खड़ी थी। डॉ. उमर तीन घंटे तक कार में बैठा रहा। वह एक पल के लिए भी कार से बाहर नहीं निकला। वह या तो किसी का इंजिनार कर रहा था या फिर पार्किंग में किसी निर्देश का इंजिनार में था।

## झारखंड हाईकोर्ट में लंबित जजमेंट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी



**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड हाईकोर्ट में 31 जनवरी 2025 से पहले के जिन 61 सिविल मामलों में फैसला सुरक्षित रखा गया था, उनमें 47 मामलों में अभी तक जजमेंट नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट में लंबित पड़े ऐसे रिजर्व जजमेंट को लेकर गंभीर नाराजगी जताई है। लंबित मामलों का खुलासा झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा दाखर किए गए हलफनामे में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने हलफनामे को देखते हुए टिप्पणी की कि हाईकोर्ट की स्थिति न्यायिक विवेक को झकझोरने वाली है। यह बताती है कि

61 सिविल मामलों में सुरक्षित रखे गए हैं फैसले, 47 में अब तक निर्णय नहीं

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से दाखर हलफनामे में हुआ है सुलासा

फैसलों का लंबित रहना गंभीर समस्या बनती जा रही है। मिवान स्टैल्स लिमिटेड बनाम भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, डायरी नंबर 48094/2025 याचिका पर सुनवाई करते हुए शीप कोर्ट ने यह टिप्पणी की है।

## पूर्व की सुनवाई के साथ जोड़ा जाएगा मामला

सुनवाई के दौरान बेंच कहा कि लंबित पड़े मामलों को लेकर सुनवाई पहले से ही जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच में है। इसलिए इसे भी उसी के साथ सुनवाई के लिए जोड़ा जाएगा। अदालत ने निर्देश दिया कि 14 नवंबर 2025 को प्रस्तावित डब्ल्यू.पी. (सी) संख्या 489/2025 के साथ इस मामले को सुचीबद्ध किया जाए और इसके लिए रजिस्ट्री को सीजेआई की अनुमति लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट इससे पहले भी झारखंड हाईकोर्ट में लंबित जजमेंट को लेकर चिंता जता चुका है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच वर्तमान में होमगार्ड भर्ती से जुड़ी छह याचिकाओं की सुनवाई कर रही है, जिनमें जजमेंट पिछले दो साल से लंबित थे। 8 अगस्त की सुनवाई में हाईकोर्ट ने कहा था कि

## राज्य स्थापना दिवस रण फॉर झारखंड के साथ रजत जयंती समारोह का हुआ आगाज

# संघर्ष, गौरव और विकास का प्रतीक है 25 वां साल : हेमंत सोरेन

**PHOTON NEWS RANCHI :**

मंगलवार को राज्य स्थापना के 25 साल पूरे होने रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका से रण फॉर झारखंड कार्यक्रम का आयोजन शुरू किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने कार्यक्रम में भाग लिया। झारखंड रजत जयंती वर्ष के समारोहों की औपचारिक शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रन की शुरुआत की और ऊर्जा, उत्साह और एकता का संदेश दिया। मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनु, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, वरिष्ठ अधिकारी, खिलाड़ी व अन्य लोग शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को झारखंड स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि झारखंड का यह

## मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर की शुरुआत, ऊर्जा-उत्साह और एकता का दिया संदेश

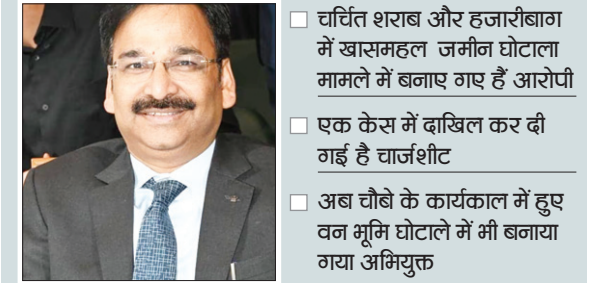


**अपनत्व और एकता की भावना को मजबूती**

मुख्यमंत्री ने कहा कि रण फॉर झारखंड कार्यक्रम राज्य के प्रति अपनत्व और एकता की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। रजत जयंती कार्यक्रमों के साथ-साथ धरती आवा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उत्सव की शुरुआत भी की गई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समस्त राज्यवासियों को रजत जयंती की शुभकामनाएं दीं।

25वां वर्ष संघर्ष, गौरव और विकास का प्रतीक है। उन्होंने सभों महान विभूतियों को नमन किया जिनके संघर्ष और बलिदान से साथ ही हम सभी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भी मनाएंगे।

## कांड संख्या 11/2025 में गिरफ्तारी के लिए दिया गया था आवेदन



चर्चित शराब और हजारीबाग में खासमहल जमनी घोटाला मामले में बनावे गए हैं आरोपी

एक केस में दाखिल कर दी गई है चार्जशीट

अब चौबे के कार्यकाल में हुए वन भूमि घोटाले में भी बनावे गया अभियुक्त

एसीबी की विशेष अदालत में मंगलवार को विनय चौबे की वॉइडो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। एसीबी ने इस मामले की प्राथमिक जांच (प्रोलिमिनरी इन्क्वायरी) पहले ही कर ली थी।

# घाटशिला विस उपचुनाव : वोट के लिए नोट बांटने वाला युवक धालभूमगढ़ में गिरफ्तार

## वोटों में 19 हजार 500 रुपये का कर चुका था वितरण, बरामद हुए 30 हजार 500 रुपये

PHOTON NEWS JSR :

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में वोट के बदले नोट का मामला सामने आया है। इस विधानसभा क्षेत्र में 11 नवंबर को मतदान हुआ। जबकि, इलाके में 10 नवंबर को रात भर पैसे बांटे गए हैं। ऐसा आरोप लगाया जा रहा है। धालभूमगढ़ इलाके में भी खूब पैसा बांटा है। पुलिस ने देवा मिडिल स्कूल के पास बूथ नंबर 129 के नजदीक दसम टुडू नामक युवक को वोटों के बीच पैसा बांटते पकड़ा है। गिरफ्तार किया गया युवक धालभूमगढ़ के जुनबनी गांव का रहने वाला है। उसके पास से पुलिस ने 30 हजार 500 रुपये बरामद किए हैं।

इसमें पुलिस को 500 रुपये के कुल 61 नोट मिले हैं। आरोपी युवक स्पेंडर बाइक से रुपये बांटने आया था। पुलिस ने इस बाइक को भी बरामद कर लिया है।



मतदान के लिए कतार में लगी महिलाएं

● फोटोन न्यूज

पुलिस को सोमवार की रात गुप्त सूचना मिली थी कि बूथ नंबर 129 के पास एक युवक रुपये बांट रहा है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को रात नौ बजे कर

पांच मिनट पर दबोच लिया। पुलिस को लोगों ने बताया कि युवक शाम साढ़े छह बजे से रुपये बांट रहा था। पुलिस ने धालभूमगढ़ थाने में आरोपी दसम टुडू के

खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। यह केस थाना प्रभारी धीरज कुमार मिश्रा के आवेदन पर दर्ज हुआ है। एफआईआर दर्ज करने के बाद

## किस उम्मीदवार के लिए बांटे गए पैसे

हालांकि, पुलिस यह नहीं पता लगा पाई है कि युवक किस उम्मीदवार के लिए रुपये बांट रहा था। थाना प्रभारी धीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि युवक से इस संबंध में पूछताछ की गई है। मगर, युवक ने यह नहीं बताया कि वह किस प्रत्याशी के लिए रुपये बांट रहा था। आरोपी युवक ने पुलिस को बस इतना बताया है कि वह अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए रुपये बांट रहा था और लोगों से उसी उम्मीदवार को वोट देने को कह रहा था। पुलिस यह नहीं पता लगा पाई है कि आरोपी युवक का पसंदीदा उम्मीदवार कौन है। यह बड़ा सवाल है, जिसे जनता जानना चाहती है। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस अभी पूछताछ नहीं कर पाई है तो आरोपी को रिमांड पर लेकर इस संबंध में जरूर पूछताछ करनी चाहिए। क्योंकि, यह लोकतंत्र के लिए बड़ी बात है कि वोट के लिए पैसे बांटे जाएं।

पुलिस आरोपी युवक को जेल भेजने की तैयारी कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक से पूछताछ की गई है। आरोपी युवक ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है।

पुलिस को युवक ने बताया कि वह 50 हजार रुपये लेकर मतदाताओं के बीच बांटने निकला था। इसमें से लगभग 19 हजार 500 रुपये वह बांट चुका था।

## समाचार सार

### जयंती पर याद किए गए विजय सिंह सोय

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में मंगलवार को पूर्व सांसद विजय सिंह सोय की 69वीं जयंती मनाई गई। इतवारि बाजार स्थित



समाधि स्थल पर कांग्रेस के नेताओं-कार्यकर्ताओं सहित पूर्व सांसद की पत्नी माला व कुंती सोय, बेटी अनुप्रिया सोय आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान कांग्रेस नेता विजय सिंह सामाड, प्रखंड

उपाध्यक्ष आर्यन हांसदा, प्रखंड महासचिव भोलेनाथ बोदरा, महासचिव बासुदेव मुखी, प्रदेश प्रतिनिधि राजेश शुक्ला, राखी सलुजा, शरण मंडल, हरि राव, महेश साहू आदि भी उपस्थित थे।

### गोविंदपुर में रेल ट्रेक पर मिली युवक की लाश

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह रेल ट्रेक पर एक युवक का शव मिला। मृतक परसुडीह स्थित दयाल बस्ती का रहने वाला सागर कैवर्तों था। घटना की सूचना मिलते ही गोविंदपुर थाना और रेलवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, शव की हालत को देखते हुए आत्महत्या की आशंका है। हालांकि यह दुर्घटना भी हो सकती है। संभव है कि युवक ट्रेन की चपेट में आ गया हो। पुलिस ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि मामला आत्महत्या है या हादसा।

### बोड़ाम के खेत में जा घुसी बस, यात्री सुरक्षित

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र में हलुदबनी ओपी के पास मंगलवार की सुबह बड़ा हादसा टल गया। जमशेदपुर से बोकारो जा रही शहशाह नामक बस अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे खेत में जाकर धंस गई। बस में दर्जनों यात्री सवार थे। हादसा इतना गंभीर था कि बस का आधा हिस्सा सीधे खेत में चला गया। बस पलटने से बाल-



बाल बची। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस की रफ्तार काफी तेज थी। एक मोड़ पर पहुंचते ही चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे खेत की ओर जा घुसी। घटना के बाद यात्रियों में अफरातफरी मच गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मौके पर ग्रामीणों ने फौरन बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और सड़क पर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

### घोड़ाबांधा में वृद्धा से लूट के मामले में एफआईआर दर्ज

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर थाना क्षेत्र के घोड़ाबांधा में अपना आंगन डुलोव्स की रहने वाली रिटायर्ड शिक्षिका रीता दत्ता के पास से बदमाश 52 हजार रुपये से भरा बैग लूट ले गए थे। घटना सोमवार दोपहर की है। इस मामले में गोविंदपुर थाने में मंगलवार को पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

# सोनारी एयरपोर्ट का दायरा बढ़ेगा सड़क और चर्च का भी रहेगा वजूद

## जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय और टाटा स्टील प्रबंधन के बीच हुई मीटिंग

PHOTON NEWS JSR :

सोनारी एयरपोर्ट के रनवे विस्तार को लेकर कई दिनों से जारी गतिरोध के समाधान की दिशा में नया मोड़ आया है। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने मंगलवार को टाटा स्टील के लैंड डिपार्टमेंट और टाटा स्टील यूआईएसएल के अधिकारियों के साथ मीटिंग की है। सरयू राय ने टाटा स्टील यूआईएसएल के अधिकारियों को बताया कि सोनारी और कदमा इलाके के भ्रमण के दौरान उन्हें यह लगा कि स्थानीय लोगों में यह गलतफहमी फैल गई है कि रनवे विस्तार के कारण चर्च, उससे सटा हुआ मैदान, सोनारी से सर्किट हाउस होकर बिष्टुपुर जाने वाली सीधी सड़क सभी खत्म हो जाएगी। टाटा स्टील ने मैदान के किनारे लाल रखा खींच दी है। इससे



किरियवन बस्ती में लोगों को जानकारी देते विधायक सरयू राय

● फोटोन न्यूज

लोगों के बीच यह डर और बढ़ गया कि विस्तार कार्य सीधे तौर पर धार्मिक स्थल एवं मैदान को प्रभावित करेगा। बैठक के दौरान टाटा स्टील के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रनवे की लंबाई डीजीसीए के लिए आवश्यक न्यूनतम दूरी तक ही बढ़ाई जाएगी। सड़क को बंद नहीं किया जाएगा, बल्कि केवल हल्का मोड़ दिया जाएगा, ताकि यातायात पर कोई बड़ा असर न पड़े। मैदान

के सिर्फ एक छोटे हिस्से पर रनवे का विस्तार होगा और जितना क्षेत्र प्रभावित होगा, उतना ही नया हिस्सा खाली जमीन जोड़कर फिर से मैदान को उपलब्ध करा दिया जाएगा। चर्च को भी रनवे की सीमा से बाहर रखा गया है। सरयू राय ने सोनारी के स्थानीय प्रतिनिधियों तथा कांग्रेस नेता और क्रिश्चियन कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार बलमुचू को वार्ता का पूरा निष्कर्ष बता दिया है।

PHOTON NEWS CHAIBASA :

झारखंड राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर मंगलवार को पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा में 'रन फॉर झारखंड' का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने समाहरणालय परिसर से बिरसा मुंडा इनडोर स्टेडियम तक दौड़ लगाई। समाहरणालय परिसर से उपायुक्त चंदन कुमार व उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से रंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। इस मौके पर उपायुक्त ने सभी को राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज की दौड़ हम सबकी एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य विकास की ओर अग्रसर है। दौड़



चाईबासा में दौड़ लगाने युवक

● फोटोन न्यूज

## ये रहे विजेता

पुरुष वर्ग : सन्नी इंघाट्टु, लालू कालुडिया, गोपेश कालुडिया, विरजीत पुरती व नारायण बिरुवा, महिला वर्ग : बमाई तिरिया, सलीमा विरुली, दिग्गी पांड्या, सुनीता तिरिया व सबित्री गुर्दया क्रमशः श्रेष्ठ रहे।

मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को नकद पुरस्कार राशि 3500, द्वितीय 2500, तृतीय 1000, चतुर्थ 500

व पंचम स्थान प्राप्त करने वाले को 500 रुपये के साथ मेमेंटो प्रदान किया गया।

रन फॉर झारखंड पश्चिमी सिंहभूम जिले में राज्य स्थापना की रजत जयंती पर कई कार्यक्रमों का आयोजन

# समाहरणालय से बिरसा मुंडा स्टेडियम तक लोगों ने लगाई दौड़

PHOTON NEWS CHAIBASA :

झारखंड राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर मंगलवार को पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा में 'रन फॉर झारखंड' का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने समाहरणालय परिसर से बिरसा मुंडा इनडोर स्टेडियम तक दौड़ लगाई। समाहरणालय परिसर से उपायुक्त चंदन कुमार व उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से रंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। इस मौके पर उपायुक्त ने सभी को राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज की दौड़ हम सबकी एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य विकास की ओर अग्रसर है। दौड़



चाईबासा में दौड़ लगाने युवक

● फोटोन न्यूज

## ये रहे विजेता

पुरुष वर्ग : सन्नी इंघाट्टु, लालू कालुडिया, गोपेश कालुडिया, विरजीत पुरती व नारायण बिरुवा, महिला वर्ग : बमाई तिरिया, सलीमा विरुली, दिग्गी पांड्या, सुनीता तिरिया व सबित्री गुर्दया क्रमशः श्रेष्ठ रहे।

मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को नकद पुरस्कार राशि 3500, द्वितीय 2500, तृतीय 1000, चतुर्थ 500

व पंचम स्थान प्राप्त करने वाले को 500 रुपये के साथ मेमेंटो प्रदान किया गया।

भाजपा नेता विमल बैठा समेत दो पर प्राथमिकी



GHATSILA : विधानसभा

उपचुनाव में वोट डालते समय की फोटो भाजपा नेता विमल बैठा और मनी मोहंती ने सोशल मीडिया पर डाल दी। इस पर मतदान की गोपनीयता भंग करने के मामले में फ्लाइंग स्वकायड टीम ने दोनों के खिलाफ घाटशिला थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। वोटिंग के दौरान मतदान कक्ष के अंदर ईवीएम मशीन में वोट डालने की एक तस्वीर को दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था, जो वायरल हो गया। इसके केषान में विमल किशोर बैठा ने लिखा है कि घाटशिला की जनता ने शुरूआत कर दी है। इस बार कमल खिलेगा। वहीं, मनी मोहंती ने फोटो पोस्ट करते हुए पहले मतदान फिर जलपान का स्लोगन लिखते हुए भाजपा को वोट देने की अपील की है। मतदान कक्ष के अंदर फोटो खींचने पर प्रतिबंध है। हालांकि प्रशासन के सज्जान में मामला आने के कुछ ही दिनों बाद दोनों अकाउंट से पोस्ट को डिलीट कर दिया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं में दिखा जेल का माहौल

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव के दौरान ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं में जश्न का माहौल दिखा। ग्रामीण क्षेत्र में बूथ पर महिला मतदाताओं की काफी भीड़ लगी रही। खासकर घाटशिला प्रखंड के आसन पंचायत के विभिन्न बूथों में खासी भीड़ दिखाई। मुसाबानी, गुडबादा व धालभूमगढ़ प्रखंड के बूथों पर भी महिला मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही।

कड़ी सुरक्षा के बीच कराया गया मतदान

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शान्तिपूर्ण मतदान संपन्न करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदान शुरू होने के बाद सुरक्षा का जायजा लेने जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्याशी एवं ग्रामीण एमपी ऋषभ गर्ग घाटशिला पहुंचे। सीसीटीवी कैमरों से पूरे विधानसभा क्षेत्र की निगरानी कंट्रोल रूम से की एवं कई बूथों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

# शहीद देवेन्द्र माझी के बसाए गांवों को हर कीमत पर बचाएगा झामुमो : जोबा मांझी

PHOTON NEWS CHAIBASA :

सारंडा वन्यजीव अभयारण्य के प्रस्ताव के खिलाफ कोल्हान - पोड़ाहाट, सारंडा बचाओ समिति ने 16 नवंबर को आर्थिक नाकेबंदी का आह्वाण किया है। इसे लेकर झामुमो की जिला कमेटी ने मंगलवार को बैठक की, जिसमें सांसद जोबा मांझी भी उपस्थित थीं। बैठक में आंदोलन को नैतिक समर्थन देने का प्रस्ताव पारित किया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि सारंडा के आदिवासी मूलवासी को उजाड़ने नहीं दिया जाएगा। सारंडा वाइल्डलाइफ सैंक्यूरी के पीछे भारत सरकार का पडभंत्र है। इसके पीछे गौतम अडानी की सारंडा पर गिद्धरथि है। शहीद देवेन्द्र मांझी द्वारा बसाए गए गांव को हर कीमत पर बचाया जाएगा। सारंडा-कोल्हान के गांवों को बसाने में देवेन्द्र मांझी समेत सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। मेरी



बैठक को संबोधित करती सांसद जोबा मांझी

● फोटोन न्यूज

झामुमो का दोहरा चरित्र उजागर : गीता कोड़ा

पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि सारंडा वाइल्डलाइफ सैंक्यूरी के विरोध में 16 नवंबर को होने वाली आर्थिक नाकेबंदी को झामुमो द्वारा नैतिक समर्थन देना दोहरा चरित्र उजागर करता है। गीता कोड़ा ने कहा कि एक ओर झामुमो सरकार ने ही सैंक्यूरी को मंजूरी दी है और दूसरी ओर उसी निर्णय के विरोध में सामाजिक समूहों के पीछे छिपकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह जनता के साथ छल और राजनीतिक पाखंड का स्पष्ट उदाहरण है।

सांस जब तक चलेगी और मुंह में जब तक आवज रहेगी, तब तक आदिवासी-मूलवासी के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ती रहूंगी। बैठक में विधायक निरल पुरती, विधायक जगत मांझी, धुवनेश्वर महतो, जिला सचिव राहुल आदित्य, जिला प्रवक्ता युधाम लामुगुरी, जिला उपाध्यक्ष दीपक प्रधान, सारंडा मानकी लागोड़ा देवमम, मोनिका बोईपाई, बसंती सुंड़ी, दिनेश चंद्र महतो आदि भी मौजूद थे।

बिरसानगर लूटकांड

कंपनी कर्मों को हिरासत में लेकर हो रही पूछताछ

JAMSHEDPUR : बिरसानगर में टाटा मोटर्स के वेंडर पंकज कुमार सिंह के कार्यालय से 10 नवंबर को हुई साढ़े 10 लाख रुपये की लूट की घटना में शक की सुई कंपनी कर्मों की तरफ घूम गई है। पंकज को शक है कि इस वारदात में कंपनी के ही कर्मचारी करण मुदितयार का हाथ है। इसके बाद पुलिस ने करण को हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि करण ने पुलिस को कुछ ठोस जानकारी दी है। माना जा रहा है कि करण ने ही बदमाशों को बताया था कि रिवियर और सोमवार को कार्यालय में लेबर पैमेंट होता है और यहां इतना धन बरता है। बाइक से आए बदमाश नकाब नहीं लगाए थे। इससे आशंका जताई जा रही है कि वह जमशेदपुर के नहीं हैं। गौरतलब है कि सोमवार को बाइक सवार तीन बदमाशों ने टाटा मोटर्स के वेंडर पंकज कुमार सिंह के बिरसानगर जिन नंबर 11 केनरा बैंक के पास वाले द्वार पर धावा बोला था। बदमाशों ने यहां पिस्टल की नोक पर एक महिला स्टाफ से 25 हजार रुपये लूट लिए थे। इसके बाद पंकज कुमार सिंह के चैबर में घुस कर बदमाशों ने उनकी कनपटी पर पिस्टल सटा दी और सवा 10 लाख रुपये लूट लिए।

# 30 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार



पत्रकारों को जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला की चाईबासा पुलिस ने 30 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति बसंत कुमार खिरवाल का पुत्र मनीष कुमार खिरवाल है, जो सदा थाना क्षेत्र के मधुबाजार का रहने वाला है। गिरफ्तार व्यक्ति मनीष खिरवाल का आपराधिक इतिहास है। पुलिस अधीक्षक अमित रेणु के निर्देश पर एसडीपीओ-सदर के नेतृत्व में

पुलिस टीम ने उसे सदर थाना क्षेत्र में आमलाटोला रेलवे अंडरपास के पास बंद रेलवे केबिन के पास से पकड़ा। मनीष ने पुलिस को बताया कि वह आदित्यपुर की मुस्लिम बस्ती निवासी फिरदौस अंसारी से ब्राउन शुगर लाकर बेचता था। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मनीष खिरवाल 2022 में भी अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के जुर्म में जेल जा चुका है।

गांव-गांव घूमेगा जागरूकता रथ

CHAIBASA : झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को रवाना किया गया। इस मौके पर मझगांव के विधायक निरल पुरती व मनोहरपुर के विधायक जगत मांझी, उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने संयुक्त रूप से रथ को झंडी दिखाई। यह जागरूकता रथ पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों व गांवों में घूम-घूमकर लोगों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी देगा। रथ में लगे ऑडियो सिस्टम से योजनाओं के संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही नुकड़-नाटक के माध्यम से भी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में क्षेत्रवासियों को जानकारी दी जाएगी। रथ रवाना करने के दौरान कलाकारों ने पारंपरिक आदिवासी नृत्य भी किया। इस मौके पर उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, नज्दरत उपसमाहर्ता देवेन्द्र कुमार, गोपनीय शाखा के प्रभारी कुमार हर्ष सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।



रथ रवाना होने के मौके पर पारंपरिक नृत्य करते कलाकार

● फोटोन न्यूज

**BRIEF NEWS**

**सरदार पटेल की जयंती पर निकला यूनिटी मार्च**



**DHANBAD :** सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में धनबाद में एक भारत, आत्मनिर्भर भारत यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा में सांसद दुल्लू महतो, विधायक राज सिंह, विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। मार्च की शुरुआत धनबाद पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय परिसर से हुई और यह राणधीर वर्मा चौक तक निकाली गई। पूरे मार्ग में देशभक्ति और एकता के नारों से माहौल गुंज उठा। सांसद दुल्लू महतो ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना है। यदि सरदार पटेल न होते तो आज का एकजुट भारत संभव नहीं था। उन्होंने लौह पुरुष को आधुनिक भारत की एकता का प्रतीक बताया। वहीं विधायक राज सिंह ने कहा कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत यह यूनिटी मार्च पूरे देश में निकाला जा रहा है। सरदार पटेल की प्रेरणा से आज भारत कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक एक सशक्त और एकजुट राष्ट्र के रूप में खड़ा है। एनसीसी कैडेट्स और विश्वविद्यालय के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोगों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। यह आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया।

**स्कूली बच्चों को बताए अपराध से बचने के तरीके**



**DHANBAD :** वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के निर्देश पर मंगलवार को झाड़ूडीह स्थित कॉमर्सेल स्कूल में एक विशेष पुलिस की पाठशाला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिटी एसपी धनबाद ऋतुविक्रम श्रीवास्तव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस से डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि पुलिस आपसे मिले एक दोस्त और सहयोगी के तौर पर हमेशा तत्परता से खड़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस हमेशा आपके द्वार पर मौजूद है और किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए तुरंत उपलब्ध रहती है। इस संवाद सत्र ने बच्चों के मन से पुलिस के प्रति व्याप्त भय को कम करने और विश्वास को बढ़ाने का काम किया। सिटी एसपी ने कहा कि पुलिस की पाठशाला में मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान किया गया, जिसमें साइबर क्राइम, ट्रैफिक नियम और पॉक्सो एक्ट (बच्चों के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम)। साइबर जागरूकता में बच्चों को डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरे ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से सतर्क रहने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किस तरह साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं। एसपी ने जोर देकर कहा कि साइबर क्राइम का नेचर दिन-प्रतिदिन इर्वावले हो रहा है, इसलिए हमेशा जागरूक रहना आवश्यक है। इस दौरान बच्चों को यातायात सुरक्षा में छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अनिवार्यता समझाई गई। उन्हें बताया गया कि हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना और सड़क पार करने के सही तरीके जैसे नियमों का पालन क्यों जरूरी है, ताकि वे दुर्घटनाओं से सुरक्षित रह सकें। बच्चों की पाठशाला में पॉक्सो एक्ट की जानकारी विशेष रूप से दी गई। उन्हें सुरक्षित स्पर्श (सेफ टच) और असुरक्षित स्पर्श (अनसेफ टच) के बारे में बताया गया। बच्चों को सिखाया गया कि किसी भी तरह के यौन उत्पीड़न या असहज स्थिति में उन्हें चुप नहीं रहना है और तुरंत अपने शिक्षकों या अभिभावकों को सूचित करना है।

**नाले में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका**



**JAMSHEDPUR :** गोविंदपुर थाना अंतर्गत भोला बगान इलाके में मंगलवार सुबह नाले में अज्ञात युवक का शव मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर गोविंदपुर के थाना प्रभारी टीम के साथ पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। शव की हालत देखकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, यह स्पष्ट नहीं है कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो पाएगी। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की जांच कर रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

# बालू माफिया ने बीडीओ पर गाड़ी चढ़ाने का किया प्रयास, बाल-बाल बचे अधिकारी

## टीम के साथ पहुंचे थे प्रखंड विकास पदाधिकारी, बालू लदे ट्रैक्टर को कर लिया था जब्त

**PHOTON NEWS PALAMU :**

सरकार की रोक के बावजूद नदियों से बालू का उत्खनन जारी है। घड़ल्ले से बालू का परिवहन भी हो रहा है। आए दिन छापेमारी या धरपकड़ के बावजूद बालू का अवैध धंधा धमने का नाम नहीं ले रहा है। ये अपने धंधे में किसी को दखलअंदाजी बर्दाशत नहीं कर रहे हैं। शायद यही कारण है कि बालू माफिया ने सोमवार की देर रात उंटारी रोड प्रखंड के सीढा गांव में बीडीओ श्रवण कुमार भगत को ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया। गनीमत रही कि वे किसी तरह बच गए, वरना उनकी जान भी जा सकती थी। यदि ऐसा हो जाता, तो पूरे राज्य में हड़कंप मच जाता। बताया जाता है कि बीडीओ को



माण राह ट्रैक्टर का वीडियो फुटेज

फोटोन न्यूज

सूचना मिली थी कि सीढा गांव के पास अवैध रूप से बालू लदा ट्रैक्टर जा रहा है। वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। इसी दौरान ट्रैक्टर मालिक और उसके

सहयोगियों ने गाड़ी छुड़ाने के क्रम में बीडीओ पर वाहन चढ़ाने की कोशिश की। बीडीओ ने किसी तरह खुद को बचा लिया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर आगे जाकर एक झोपड़ी में घुस गया, जिससे वहां

बंधे मवेशी घायल हो गए। घटना की सूचना पर उंटारी रोड थाना की पुलिस देर रात मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। बीडीओ श्रवण भगत ने बताया कि अवैध बालू कारोवार पर कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कही है। इधर, मंगलवार की सुबह बीडीओ और थाना प्रभारी दोनों ने घटनास्थल पहुंचकर मामले का जायजा लिया। प्रशासनिक स्तर पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## जमुआ में पत्थर खदान पर कब्जे को लेकर दो गुट भिड़े, एक की गई जान

**GIRIDIH :** गिरिडीह में जमुआ थाना क्षेत्र के दलिया स्थित बंद पड़े पत्थर खदान में वर्चस्व को लेकर मंगलवार को दो गुटों के बीच हुई मारपीट, हिंसक झड़प और गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत प्रसाद ने पुष्टि की कि घटना में गंभीर रूप से घायल सुरेश वर्मा की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अन्य व्यक्ति अरविंद वर्मा के पेर में गोली लगाने की खबर है। चार अन्य घायल बताए जा रहे हैं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, यह खदान कई सालों से बंद थी। इस पत्थर खदान पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस बीच, मंगलवार सुबह विवाद फिर बढ़ गया और दोनों पक्षों के समर्थक आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते स्थिति खूनी झड़प में बदल गई। घटना की सूचना मिलने पर जमुआ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। सभी घायलों को इलाज के लिए जमुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राजेंद्र प्रसाद ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हमलावरों को पहचानने की कोशिश कर रही है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

## हाथियों ने दो ग्रामीणों को पटक कर मार डाला, मचा कोहराम



घटनास्थल पर पड़ा शव

**GIRIDIH :** गिरिडीह जिले के गोमिया प्रखंड में सोमवार की रात दो ग्रामीणों को पटककर मार डाला। बताया जाता है कि जागेश्वर विहार थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलैया गांव में रात करीब 8 बजे जंगल से हाथियों का झुंड गांव में घुस गया। उस समय गांव की एक दुकान के पास कुछ ग्रामीण बातचीत कर रहे थे। तभी हाथी वहां पहुंच गए, जिससे सभी भागने लगे। हाथियों ने भाग रहे लोगों पर हमला कर दिया, जिसकी चपेट में चरकु महतो (40) और प्रकाश महतो (38) आ गए। हाथियों ने इन्हें सूंड से उठाकर पटक दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। इसके बावजूद कुछ ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए ढोल-नगाड़े बजाने लगे, तो

## डॉक्टर से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले छह अपराधी गिरफ्तार

### घर के बाहर खड़े वाहन पर चलाई थी गोली, पिस्टल, बाइक व मोबाइल फोन बरामद

**AGENCY HAZARIBAG :**

हजारीबाग जिले के बरकठा थाना पुलिस ने ग्रामीण डॉक्टर से रंगदारी मांगने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में नावेद खान उर्फ गोलू खान, सलमान अंसारी, अबूल अंसारी, अफसर अंसारी, आलोक कुमार, सत्यम कुमार शामिल है। इनके पास से एक देशी पिस्टल, आठ गोली, एक बजाज पल्सर मोटरसाइकिल और छह मोबाइल बरामद किया गया है। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने सोमवार को बताया कि बीते 30 अक्टूबर की रात में गुलाम रबानी को मोबाइल नं०-6291285513



गिरफ्तार अपराधियों के साथ गीड़िया की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

से इनके मोबाइल पर फोन कर दस लाख रुपए रंगदारी की मांग की गई थी। फिर 06 नवंबर को गुलाम के घर के पार्किंग में खड़े वाहन में गोली मारने की घटना को अंजाम

निर्देशानुसार मामले का खुलासा करने के लिए बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया, जिसमें बरकठा थाना एवं गोरहर थाना के साथ संयुक्त रूप से विभिन्न स्थानों पर छापेमारी किया। छापेमारी के दौरान मामले में शामिल सभी अपराधकर्मियों को घटना में प्रयुक्त देशी पिस्टल एवं आठ जिन्दा गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। पकड़िये अपराधकर्मियों ने अपना अपना अपराध स्वीकार किया है। इन अपराधियों की ओर से टाटोझरिया थाना अंतर्गत भी इसी मोबाइल नंबर से ब्लैकमेल कर रंगदारी मांगने की बात प्रकाश में आई है।

## विस्थापितों ने मैथन डैम में बोटिंग के टैंडर का किया विरोध, जलाया पुतला



गोगना छठ घाट पर विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण

**PHOTON NEWS DHANBAD :** मैथन डैम में बोटिंग का मंगलवार की सुबह 11 बजे स्थानीय ग्रामीणों ने पुरजोर विरोध किया। ढोल-नगाड़े के साथ पारंपरिक हथियार लेकर ग्रामीण गोगना छठ घाट पहुंचे। ग्रामीणों ने डीवीसी के चेयरमैन और निरसा के विधायक के विरोध में नारे भी लगाए। यहां ग्रामीणों ने डीवीसी के चेयरमैन एस. सुरेश कुमार और विधायक अरूप चटर्जी का पुतला भी जलाया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे विस्थापित संघ के

नेता वासुदेव महतो ने कहा कि किसी भी कीमत पर एडवेंचर बोटिंग डैम में होने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि डीवीसी ने छलपूर्वक विस्थापितों की जमीन ले ली और नौकरी देने में भी घपला किया। अब डैम में बोटिंग के नाम पर भी घोटाला किया जा रहा है। ग्रामीणों ने डीवीसी पर धोखाधड़ी कर बाहरी कंपनी को बोटिंग का ठेका देने का आरोप लगाया। ग्रामीणों की चेतानवी पर ठेका कंपनी टूट व क्रेन मंगाकर सभी सामान ले गई।

### बोटिंग के टैंडर पर जिला परिषद ने जताई आपत्ति

**DHANBAD :** धनबाद स्थित राजेंद्र सरोवर (बेकारबांध) में नगर निगम ने बोटिंग के लिए टैंडर निकाला है, जिस पर जिला परिषद ने आपत्ति जताई है। परिषद ने कहा कि यह सरोवर जिला परिषद की संपत्ति है। जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह ने उपयुक्त आदित्य रंजन से मुलाकात कर निगम के कार्यों पर रोक लगाने की मांग की है। दरअसल, धनबाद नगर निगम सरोवर में बोटिंग का संचालन करने जा रहा है। इसके लिए 8 नवंबर को निविदा आमंत्रित किया था। जिला परिषद की अध्यक्ष ने डीवीसी को बताया कि पूर्व में राजेंद्र सरोवर में जिला परिषद ही बोटिंग का संचालन करती थी। इसके लिए दोबारा प्रक्रिया भी शुरू की गई है, लेकिन इसी बीच निगम ने टैंडर निकालकर सबको दिग्भ्रमित कर दिया। उल्लेखनीय है कि राजेंद्र सरोवर के सुसरीकरण की जिम्मेदारी धनबाद नगर निगम को दी

### दिल्ली बम धमाका

**स्टेशन सहित पूरा धनबाद जिला हाई अलर्ट पर**

**DHANBAD :** दिल्ली में सोमवार देर शाम हुए बम धमाके के बाद पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। इसी के तहत धनबाद पुलिस और धनबाद रेल मंडल भी अलर्ट मोड पर है। जिसे लेकर न सिर्फ पूरे जिले में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है, बल्कि धनबाद रेल स्टेशन पर भी सघन जांच अभियान जारी है। आरपीएफ निरीक्षक अजय प्रकाश के नेतृत्व में यह अभियान देर रात शुरू हुआ, जो मंगलवार को भी जारी रहा। जांच के दौरान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म, वॉटिंग हॉल, टिकट काउंटर, पार्सल ऑफिस और पार्किंग एरिया की गहन तलाशी ली गई। संदिग्ध व्यक्तियों और उनके सामान की भी बारीकी से जांच की गई। आरपीएफ और जीआरपी की टीमों ने खान दरतों की मदद से प्लेटफॉर्म पर खड़े बैग और छोड़े गए पार्सल की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की अलमसालिक गतिविधि या विस्फोटक सामग्री की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों से अपील की गई है कि वे संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखने पर तुरंत रेलवे पुलिस को सूचित करें।

## दो लाख के ब्राउन शुगर के साथ दबोचे गए 2 युवक



पत्रकारों को मांगले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

**PALAMU :** पलामू की जिला पुलिस ने सोमवार को ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी मैरिनीनगर के रहने वाले हैं। यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर की गई। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने सिमराकला, अमानत नदी के पास एनएच-39 पर वाहन चेकिंग शुरू की। इसी दौरान पड़वा मोड़ की ओर से आ रही बाइक को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन बाइक सवार भागने की कोशिश करने लगे, तो उन्हें घेर कर दबोच लिया गया। डीएसपी राजीव रंजन की उपस्थिति में तलाशी ली गई तो दोनों के पास से लगभग 21 ग्राम ब्राउन शुगर मिला। गिरफ्तार युवकों की पहचान जेलहाला मुर्गा मार्केट निवासी चिंदू कुमार (23) और अतुल रंजन सिंह (25) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे गढ़वा निवासी राजा नामक व्यक्ति से ब्राउन शुगर खरीदकर बेचते हैं। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

## इवेंट राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर 15 नवंबर तक होगा कई कार्यक्रमों का आयोजन

# विभिन्न जिलों में हजारों युवाओं ने 'रन फॉर झारखंड' में लगाई दौड़

**AGENCY HAZARIBAG :**

झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह के तहत मंगलवार को हजारीबाग में रन फॉर झारखंड का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त इश्टियाक अहमद समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा, वृद्ध, दिव्यांगजन और आम नागरिक उपस्थित थे। यह रैली जिला परिवहन कार्यालय से प्रारंभ होकर उत्साहपूर्ण माहौल में झंडा चौक पर संपन्न हुई। मार्ग में प्रतिक्रियाओं ने जोहार झारखंड हमारा गौरव, हमारा राज्य जैसे नारों से वातावरण को गुंजायमान



हजारीबाग में उदघाटन के मौके पर स्कूली बंड ने दी प्रस्तुति

### राज्य स्थापना दिवस पर 'रन फॉर झारखंड' का आयोजन

**RAMGARH :** रामगढ़ डीसी फैंज अक अहमद मुताज्ज के निर्देश पर राज्य स्थापना दिवस पर मंगलवार को जिला प्रशासन एवं जिला खेल कार्यालय के तत्वावधान में रन फॉर झारखंड का आयोजन किया गया। दौड़ का शुभारंभ डीडीसी आशीष अग्रवाल ने किया। दौड़ पटेल चौक से प्रारंभ होकर अनुमंडल कार्यालय तक समाप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान डीडीसी आशीष अग्रवाल ने सर्वप्रथम सभी को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जीवन में खेल का अपना एक अलग महत्व होता है। खेल व शारिरिक गतिविधि से न केवल शारीरिक विकास, बल्कि मानसिक विकास भी होता है। मौके पर उन्होंने सभी से नियमित रूप से खेल व शारिरिक गतिविधियों में अपना समय देने की अपील की।

### खूटी में उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी

**KHUNTI :** झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को आयोजित होनेवाली विधिवत कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत मंगलवार को खूटी जिला प्रशासन की ओर से रन फॉर झारखंड का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, खूटी से तिरला तक संपन्न हुआ। इसमें उपायुक्त ने भी दौड़ लगाई। कार्यक्रम में प्रशासन के पदाधिकारी एवं कर्मी, खिलाड़ी, स्कूली छात्र-छात्राएं तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपायुक्त आर नितादा ने कहा कि 'रन फॉर झारखंड' जैसे कार्यक्रमों का आयोजन राज्य की युवा ऊर्जा और खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह राज्य की एकता, ऊर्जा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाता है। झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ हम सभी के लिए ऐतिहासिक है, झारखंड की 25 वर्षों की उपलब्धियां हम सभी के लिए गर्व की बात हैं, और हमें साथ मिलकर इसे आगे बढ़ाना है।



खूटी में खिलाड़ी को सम्मानित करती उपायुक्त



लोहरदगा में दौड़ लगाते उपायुक्त व अन्य पदाधिकारी

### स्थापना दिवस को लेकर हुआ 'रन फॉर झारखंड'

**LOHARDAGA :** आगामी 15 नवंबर को राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से झारखंड ऐट द रेट ऑफ 25 थीम के अंतर्गत रन फॉर झारखंड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ ताराचंद और उप विकास आयुक्त ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को निर्धारित रुट के लिए रवाना किया। प्रतिभागियों के साथ स्वयं उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, जिला खेल पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी दौड़ लगायी। उपायुक्त ने इस अवसर पर कहा कि दौड़ने से शरीर स्वस्थ होता है और ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही आलस्य से मुक्ति मिलती है। युवाओं की यह ऊर्जा राज्य के विकास के लिए काम आएगी। सिर्फ दौड़ने से हमारे शरीर की अधिकतर मांसपेशियों में सक्रियता आ जाती है। इसलिए हमें दौड़ को दैनिक गतिविधियों में शामिल करना चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि 15 नवंबर को राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं जिसे समानुचित विनोद कुमार, एडीएम कानून व्यवस्था हेमा प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा निराज अहमद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

### धनबाद के उपायुक्त व एसएसपी ने जागरूकता रथ को किया रवाना



**DHANBAD :** झारखंड राज्य स्थापना के 25वें वर्ष के अवसर पर मंगलवार को धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने योजनाओं के प्रचार प्रसार को लेकर समाहरणालय परिसर से सभी प्रखंडों के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त ने इस मौके पर कहा कि यह जागरूकता रथ धनबाद के सभी गांवों में जाकर झारखंड की रजत जयंती और भववान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करेगी। साथ ही झारखंड के वीर गाथाओं को भी जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। मौके पर अपर समाईया विनोद कुमार, एडीएम कानून व्यवस्था हेमा प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा निराज अहमद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

## कांग्रेस और आरएसएस में विचारधारा का टकराव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और खुद को सेक्युलर बताने वाली कांग्रेस फिर आमने-सामने हैं। राजा विवाद कर्नाटक की कांग्रेस सरकार से जुड़ा हुआ है। पिछले दिनों कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि निजी संगठन, व्यक्तियों के समूह और संघ के लिए सरकारी परिसर के उपयोग हेतु पूर्व अनुमति अनिवार्य है। हाईकोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी। मुख्यमंत्री ने सनातन परंपरा पर हमला बोलते हुए यह भी कहा था, अपनी संगति सही रखें। सनातनियों और संधियों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सत्ता में आने पर वे संघ को प्रतिबंधित कर देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी संघ पर प्रतिबंध की जरूरत जताई है। उनके बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी संघ पर हमला बोला। नियम अनुसार सरकारी कर्मचारी किसी राजनीतिक दल या संगठन से संबंध नहीं रख सकता और उसकी गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले सकता। केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू सेंट्रल सिविल सर्विसेज कंडक्ट (1964) के अधीन कर्मचारियों के संघ के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पर प्रतिबंध था। बाद में इसे संशोधित किया गया। अब इस सूची में संघ का नाम नहीं है। कांग्रेस द्वारा संघ की गतिविधियों को बाधित करने के प्रयास पहले भी हुए हैं। ऐसा प्रयास भारतीय संविधान (अनुच्छेद 14) के अधीन विचार अभिव्यक्ति की आजादी और संगठन बनाने की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। भारतीय संस्कृति आधारित राष्ट्रवादी समाज बनाना उसकी प्राथमिकता है। हिंदुत्व संघ का अधिष्ठान है। संघ ने इस देश की राजनीति, संस्कृति में आधारभूत सकारात्मक हस्तक्षेप किया है। 1925 में जन्मा संघ सौ बरस का हो गया है। उससे इर्ष्या स्वाभाविक है। 1885 में जन्मी कांग्रेस बूढ़ी हो गई है। संघ विरोधी राजनीतिक विचारधारा सेक्युलरवाद के नाम पर अल्पसंख्यकवाद चलाती रहती है। सेक्युलरवाद ने विचारधाराविहीन समाज बनाने का काम किया है, पर सेक्युलरिज्म तो आयातित और एक विजातीय विचार है। संघ का मूल आधार हिंदू राष्ट्रवाद है। सेक्युलर दल हिंदुत्व और संघ को सांप्रदायिक बताते हैं, पर उनके पास न तो अल्पसंख्यक की राजनीति है और न ही सांप्रदायिकता की। अल्पसंख्यकवाद ऐसी राजनीति का भयानक प्रेत है। देश में लगभग 14.2 प्रतिशत मुस्लिम हैं। इसके बावजूद सेक्युलर राजनीति उन्हें अल्पसंख्यक बताती है। अल्पसंख्यक की भी कोई परिभाषा नहीं है। राजनीति का मजहबीकरण देश के लिए घातक है। अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिरा गांधी के समय कहा था कि पहले सांप्रदायिकता की परिभाषा कीजिए। उनकी इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया गया। सेक्युलरवाद की दृष्टि में संघ सांप्रदायिक है और इस्लामी एवं ईसाई विश्वास सेक्युलर हैं। यह दोहरापन है। कांग्रेस को संघ अच्छा नहीं लगता, लेकिन उसे इंडियन मुस्लिम लीग से कोई समस्या नहीं है। संघ से खार खाए कथित सेक्युलर नेता अक्सर कोष में आ जाते हैं और उसके खान्ने का प्लान करते रहते हैं। कुछ समय पहले तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने संघ के पथ संचलन कार्यक्रम पर रोक लगाई थी। इस रोक को लेकर तर्क दिए गए कि पथ संचलन के कार्यक्रम के रास्ते में मस्जिद और चर्च पड़ते हैं। इसलिए अनुमति देना संभव नहीं है। मद्रास उच्च न्यायालय ने स्टालिन सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि संघ को अनुमति देने से मना करने का फैसला संविधान के विरुद्ध है और लोकतंत्र के लिए असंगत भी। सरकार का निर्णय मौलिक अधिकारों के भी विरुद्ध है। संघ ने गांधी जयंती और स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे होने पर भी कार्यक्रम आयोजन की अनुमति मांगी थी। मुख्यमंत्री स्टालिन ने अनुमति नहीं दी। संघ ने तब न्यायालय की शरण ली। संघ के कार्यक्रमों को बाधित करने की कोशिश बंगाल में भी होती रही है। संघ पर पहला प्रतिबंध महात्मा गांधी की हत्या के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4 फरवरी 1948 को लगाया। आरोप लगाया गया कि संघ सांप्रदायिक उन्माद फैलाने और हिंसक गतिविधियों में संलिप्त है। कहीं कोई सभ्य नहीं थे, फिर भी यह प्रतिबंध एक वर्ष तक रहा और 11 जुलाई 1949 को हटा दिया गया। संघ आगे बढ़ता रहा। वह सेक्युलरपंथियों की आंख की किरकिरी रहा। आपातकाल (1975-1977) में हिंसक गतिविधियों के आरोप के साथ संघ पर दूसरी बार प्रतिबंध लगाया गया। आपातकाल में सभी दलों के नेता जेलों में थे। तकलीफ सभी दलों को थी, पर अकेले संघ ने ही विरोध स्वरूप भूमिगत आंदोलन चलाया। सरकार ने संघ को लोकतंत्र विरोधी और विघटनकारी कह प्रतिबंधित कर दिया। 1977 में जनता सरकार सत्ता में आई तो प्रतिबंध हटाया गया। अयोध्या आंदोलन से तमतमाए केंद्र ने 6 दिसंबर 1992 को संघ पर प्रतिबंध लगाया। आरोप सांप्रदायिक सौहार्द को खरसा पहुंचाने और हिंसा फैलाने का लगाया गया। संघ की भूमिका सिद्ध नहीं हुई। 1993 में प्रतिबंध हटाया गया। संघ ने विचार निष्ठा और विशेष संगठन शैली के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक संगठन की हैसियत पाई है। यह तथ्य छद्म सेक्युलरवादियों को हजम नहीं होता। हिंदुत्व सर्व समावेशी विचार है। सुदीर्घ काल से चली आ रही संस्कृति और उस पर आधारित जीवन पद्धति का नाम है हिंदुत्व।

## आरएसएस पर रोक : कांग्रेस और मल्लिकार्जुन खड़गे

### ANALYSIS



डॉ. मंयंक चतुर्वेदी

वस्तुतः खड़गे का बयान ऐसे समय आया है, जब बिहार विधानसभा चुनाव अपने निर्णायक दौर में है। कांग्रेस का यह कदम चुनावी राजनीति के खंदम में समझा जा रहा है। वह चुनावी लाभ के लिए आरएसएस के बहाने भाजपा को चुनावी सफलता से दूर रखना चाहती है। यदि इतिहास में जाकर इस मामले की समीक्षा करें तो स्थिति स्वतः ही पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है। आरएसएस पर प्रतिबंधों का इतिहास यह है कि संगठन पर स्वतंत्र भारत में अब तक तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है और दो बार कांग्रेस की सरकार के दौरान वापस भी लिया गया। तथ्य यह है कि पहला प्रतिबंध 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगा। नाथूराम गोडसे के संघ से जुड़ाव के संदेह के आधार पर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने सगठन को बैन किया। करीब 17 हजार स्वयंसेवक जेल भेजे गए और आरएसएस के बहाने भाजपा को चुनावी सफलता से दूर रखना चाहती है। यदि इतिहास में जाकर इस मामले की समीक्षा करें तो स्थिति स्वतः ही पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है। आरएसएस पर प्रतिबंधों का इतिहास यह है कि संगठन पर स्वतंत्र भारत में अब तक तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है और दो बार कांग्रेस की सरकार के दौरान वापस भी लिया गया। तथ्य यह है कि पहला प्रतिबंध 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगा। नाथूराम गोडसे के संघ से जुड़ाव के संदेह के आधार पर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने सगठन को बैन किया। करीब 17 हजार स्वयंसेवक जेल भेजे गए और संघ की शाखाएं बंद कर दी गईं। किंतु, बाद में जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गांधीजी की हत्या में संघ का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हाथ नहीं। सरदार पटेल ने खर 27 फरवरी 1948 को जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखकर स्वीकार किया कि गांधी हत्या के आरोपों में से 90 प्रतिशत अटकलों और झूठी बातों पर आधारित हैं। बाद में जुलाई 1949 में सरकार ने बिना किसी शर्त के संघ को राष्ट्रसेवा और समाज निर्माण की दिशा दिखाई है। वस्तुतः खड़गे का बयान ऐसे समय आया है, जब बिहार विधानसभा चुनाव अपने निर्णायक दौर में हैं। कांग्रेस का यह कदम चुनावी राजनीति के संदर्भ में समझा जा रहा है। वह चुनावी लाभ के लिए आरएसएस के बहाने भाजपा को चुनावी सफलता से दूर रखना चाहती है। यदि इतिहास में जाकर इस मामले की समीक्षा करें तो स्थिति स्वतः ही पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है। आरएसएस पर प्रतिबंधों का इतिहास यह है कि संगठन पर स्वतंत्र भारत में अब तक तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है और दो बार कांग्रेस की सरकार के दौरान वापस भी लिया गया। तथ्य यह है कि पहला प्रतिबंध 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगा। नाथूराम गोडसे के संघ से जुड़ाव के संदेह के आधार पर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने सगठन को बैन किया। करीब 17 हजार स्वयंसेवक जेल भेजे गए और संघ की शाखाएं बंद कर दी गईं। किंतु, बाद में जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गांधीजी की हत्या में संघ का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हाथ नहीं। सरदार पटेल ने खर 27 फरवरी 1948 को जवाहरलाल नेहरू को

पत्र लिखकर स्वीकार किया कि गांधी हत्या के आरोपों में से 90 प्रतिशत अटकलों और झूठी बातों पर आधारित हैं। बाद में जुलाई 1949 में सरकार ने बिना किसी शर्त के संघ से प्रतिबंध हटा लिया। स्वयं पटेल ने लिखा, संघ पर संघ प्रतिबंध हटने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता है। यह तथ्य कांग्रेस के उस दावे को कमजोर करता है, जिसके आधार पर आज फिर से संघ पर प्रतिबंध लगाने के बात कही जा रही है। दूसरा प्रतिबंध 1975 में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने लगाया। उस समय संघ लोकतंत्र बहाली के लिए विपक्ष के साथ खड़ा था। 21 महीनों तक हजारों स्वयंसेवक जेलों में रहे, लेकिन जब जनता ने 1977 में इंदिरा सरकार को सत्ता से बाहर किया, तो संघ का जनाधार पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरा। तीसरा प्रतिबंध दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद लगा। लेकिन, अदालतों में सरकार संघ के खिलाफ कोई ठोस प्रमाण नहीं रख सकी। कुछ महीनों में यह प्रतिबंध भी हट गया। इन तीनों घटनाओं ने एक बात स्पष्ट कर दी कि प्रतिबंध संघ को कमजोर नहीं कर सकते, क्योंकि वह कोई ऐसा कार्य नहीं



करता जिससे भारतीय संविधान का उल्लंघन होता है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सरदार पटेल का हवाला देकर संघ के खिलाफ बयान दिया, लेकिन इतिहास इसके विपरीत गवाही देता है। पटेल और संघ के तत्कालीन सरसंचालक माधव सदाशिव गोवलकर (गुरुजी) के बीच संवाद कायम था। 16 जुलाई 1949 को पटेल ने वेंकटराम शास्त्री को पत्र लिखकर कहा था, मैं स्वयं प्रतिबंध हटाने के पक्ष में था। संघ से प्रतिबंध हटने के बाद उन्होंने गुरुजी को पत्र लिखकर अपनी खुशी प्रकट की। यह वही पटेल हैं, जिन्होंने सलाह दी थी कि यदि आरएसएस को लगता है कि कांग्रेस गलत दिशा में जा रही है, तो सुधार का रास्ता भीतर से निकालिए, विरोध नहीं। इस संवादशैली दृष्टिकोण से स्पष्ट है कि भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल संघ के राष्ट्रसेवी चरित्र को समझते थे, भले ही विचारों में मतभेद रहे हों। ऐसे में आज जब कांग्रेस उन्हीं पटेल का नाम लेकर संघ पर प्रतिबंध की मांग करती है, तो यह ऐतिहासिक तथ्यों के आधे-अधूरे उपयोग का अदाहरण बन जाता है। ऐसा लगता है, जैसे वह देश की जनता को गुमराह कर रही है।

करता जिससे भारतीय संविधान का उल्लंघन होता है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सरदार पटेल का हवाला देकर संघ के खिलाफ बयान दिया, लेकिन इतिहास इसके विपरीत गवाही देता है। पटेल और संघ के तत्कालीन सरसंचालक माधव सदाशिव गोवलकर (गुरुजी) के बीच संवाद कायम था। 16 जुलाई 1949 को पटेल ने वेंकटराम शास्त्री को पत्र लिखकर कहा था, मैं स्वयं प्रतिबंध हटाने के पक्ष में था। संघ से प्रतिबंध हटने के बाद उन्होंने गुरुजी को पत्र लिखकर अपनी खुशी प्रकट की। यह वही पटेल हैं, जिन्होंने सलाह दी थी कि यदि आरएसएस को लगता है कि कांग्रेस गलत दिशा में जा रही है, तो सुधार का रास्ता भीतर से निकालिए, विरोध नहीं। इस संवादशैली दृष्टिकोण से स्पष्ट है कि भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल संघ के राष्ट्रसेवी चरित्र को समझते थे, भले ही विचारों में मतभेद रहे हों। ऐसे में आज जब कांग्रेस उन्हीं पटेल का नाम लेकर संघ पर प्रतिबंध की मांग करती है, तो यह ऐतिहासिक तथ्यों के आधे-अधूरे उपयोग का अदाहरण बन जाता है। ऐसा लगता है, जैसे वह देश की जनता को गुमराह कर रही है।

आरएसएस का कार्यक्षेत्र राजनीति से परे समाज के बीच सेवा के रूप से व्यापक तौर पर फैला हुआ है। शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता में संघ का योगदान बहुत विस्तारित है। 1962 के चीन युद्ध में स्वयंसेवकों ने सीमाओं पर सैनिकों की मदद की और इसी सेवा भाव से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में संघ को भाग लेने का निर्मंत्रण दिया। यह तथ्य आज के राजनीतिक विवादों के बीच अक्सर भुला दिया जाता है। सौधे तौर पर जो दिखाई दे रहा है, वह यही है कि कांग्रेस को भय है कि संघ की बढ़ती सामाजिक स्वीकार्यता उसकी परंपरिक वोटबैंक राजनीति के लिए चुनौती है। उसे लगता है कि वह तमाम जाति भेद उभारने, एक वर्ग विशेष को लेकर घृणीकरण करने के बाद भी यदि सफल नहीं हो पा रही है तो इसके लिए कहीं न कहीं आरएसएस के स्वयंसेवक जिम्मेदार हैं, जो हर परिस्थिति में भारत के जन की एकता पर जोर देते हैं। इसलिए समय-समय पर आरएसएस पर प्रतिबंध या उसकी आलोचना कांग्रेस के लिए वैचारिक एकजुटता का साधन बन

जाती है। किंतु, इस सब के बीच ऐतिहासिक तथ्य यही कहते हैं कि ऐसे हर प्रयास जो संघ को हरे कर स्तर पर आरएसएस और सशक्त होकर ही सभी के सामने आया है। यहां आरएसएस के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के कहे शब्दों पर भी गौर करना सही होगा, उन्होंने खड़गे की मांग को अवास्तविक और इतिहासविहीन बताया है। उनका साफ कहना है कि किसी संगठन पर प्रतिबंध केवल इच्छा या असहमति के आधार पर नहीं लगाया जा सकता। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूपीए) जैसे कानूनों के तहत भी कार्रवाई संभव है, जब संगठन हिंसा, आतंक या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल पाया जाए। संघ के मामले में ऐसा कोई आरोप या सबूत नहीं है। संघ के संदर्भ में समाज और न्यायपालिका दोनों ने पहले भी इस तरह के प्रतिबंधों को गलत माना है। वास्तव में, संघ अब केवल संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का पर्याय बन चुका है। 1948, 1975 और 1992 के प्रतिबंध इस तथ्य के साक्ष्य हैं कि आरएसएस को दबाने की कोशिशें हर बार विफल हुईं। अतः मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सही तथ्यों पर आधारित नहीं है, वह एक राजनेता हैं और यहां भी सिर्फ वे अपने लाभ के लिए स्वार्थ की राजनीति ही कर रहे हैं, क्योंकि सरदार पटेल ने कहा था, संघ को कांग्रेस से मतभेद हो सकता है, पर उसका देशभक्ति से कोई विरोध नहीं। यह वाक्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना साल 1949 में था। उन्हें यह समझना होगा कि राजनीति में असहमति आवश्यक है, पर राष्ट्रसेवक के भाव को संदेह के घेरे में रखना लोकतांत्रिक चेतना के विपरीत है।

## ज्ञान के प्रकाश से समाप्त होती है माया

**जी**वन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह घुंघरु समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता तो उसे दुःख होता है। दुःख और सुख आते-जाते हैं। दुःख स्वयं निरर्थक नहीं है। दुःख सुख का अभाव है। दुःख का मुख्य कारण असांस्कृतिक है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुःखी रहता है। बुद्ध ने माया को ही समस्या का जड़ माना है। शब्द माया लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति असांस्कृतिक के लिए भी माया शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कामज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को टगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही माया सभ्यता कहा

जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी हॉट्टरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी ऋग्वेद में एक शब्द आया है ऋभु। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी ने किसी रूप में भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुःखी रहते हैं। माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है- जो नहीं है अर्थात् हमारे इंद्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार बेहरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है। लेकिन, सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान

कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत् में उन्हें जगत् जीव पंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वानों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके सम्बंध क्या हैं। संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत् किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की सजा दी गई है, लेकिन कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत् के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता। शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत् को माया रूप देकर तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है।

अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, श्रान्ति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है। उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि असांस्कृतिक कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुःख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया। क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है। अले किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा। कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते। वैदिक काल से

लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है। जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्त्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरुआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है। माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के

समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती तो इससे संसार का उद्भव संभव होता। संसार भ्रम से भरा पूरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत् या असत् नहीं कहा जा सकता। माया सत् नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत् भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है। इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता।

## Social Media Corner

### सब के हक में...

दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित किया है। मैं पीठित परिवारों का दुःख समझता हूं। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं हर किसी को आश्चर्य करता हूँ कि हमारी जांव पुरोसिया इस घटघट की तह तक जाएगी। जो भी लोग इससे इतर जिम्मेदार हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)



अनंत सभाजनाओं की ओर अग्रसर हमारा युवा झारखंड रजत का उत्सव मना रहा है। आज इसी शुभ अवसर पर राज्य भर में मनाए जाने वाले उत्सव के हजार चाहनों को रवाना किया। झारखंड के हमारे वीर शहीदों और महान आंदोलनकारियों का सपना पूरा हो, झारखंड के करोड़ों लोगों की आशाएं और आकांक्षाएं पूर्ण हों, यही हमारी अबुआ सरकार का संकल्प है, यही हमारा लक्ष्य है।

(हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)



झारखंड में नियुक्ति प्रक्रियाओं में धांधली घरम पर है। कृषि विभाग में डिप्टी डायरेक्टर पद पर नियुक्ति पत्र तो दे दिया, लेकिन महीनों बाद भी जॉइनिंग नहीं ली जा रही है। दो सप्ताह अथवा 5 महीने से चक्कर काट रहे हैं और सरकार फालतू प्रोसेस में बता कर अपनी नाकामी छिपा रही है। विभाग के निदेशक यह दलील दे रहे हैं कि नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई थी। यदि गड़बड़ी हुई तो 5 महीने में क्या कार्रवाई की गई। क्या इन पदों का सौदा किया गया। हेमंत सोरेन जी जी, कुछ तो शर्म रखिए। पैसें की लचकों ने आपको ऐसा अनायास ही कि न तो आप युवाओं को तरक्की करते देखना चाह रहे हैं न प्रदेश की बेहतरी चाह रहे हैं।

(बालूनाल मसखी का 'एक्स' पर पोस्ट)



## कौन गढ़ेगा बिहार के लोगों का भविष्य

**बि**हार विधानसभा (विस) चुनाव 11 नवंबर को संपन्न हो गया। 14 नवंबर को परिणाम आ जाएगा। चुनाव के पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी महागठबंधन ने अपना चुनावी पिटारा खोल दिया था। अब प्रदेश की जनता को किसका पिटारा कितना पसंद आया, यह गठबंधन दलों के पक्ष में होने वाला मतदान तय करेगा। राजग और महागठबंधन दोनों के संकल्प पत्रों का तुलनात्मक अध्ययन प्रदेश की जनता राजनीतिक दलों के आधार पर क्या होगा, क्योंकि ये दोनों मजबूत गठबंधन हैं। यह सही है कि दोनों के संकल्प पत्रों की तुलना करने के लिए जनता को उनके घोषणापत्रों को बरीकी से देखा होगा और फिर उनके प्रमुख बिंदुओं, जैसे अर्थव्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित वादों की तुलना समझदारी से क्या होगा। बिहार में दो बड़े राजनीतिक दलों के समूह ने अपने-अपने संपन्न पत्र (घोषणा पत्र) जारी कर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की है। एक तरफ सत्ताधारी राजग का संकल्प पत्र, बड़े पैमाने पर रोजगार और विकास का सपना बुनता है तो विपक्षी महागठबंधन का प्रण पत्र, युवाओं और महिलाओं को आर्थिक लाभ का वादा करता है। लेकिन, क्या ये वादे सिर्फ चुनावी हैं या बिहार के 13 करोड़ लोगों के लिए सच्ची दिशा। इस पर बिहारवासियों ने गहराई से सोचा होगा।

महागठबंधन ने 27 अक्टूबर को पटना में प्रण पत्र जारी किया था। मुख्य वादों में हर परिवार को एक सरकारी नौकरी, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये की सहायता, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 500 रुपये में गैस सिलिंडर, 25 लाख तक मुफ्त इलाज और पुराने पेंशन योजना की बहाली शामिल है। राजग ने इसे तुरंत असंभव सपने करार देते हुए 31 अक्टूबर को पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगुवाई में संकल्प पत्र पेश किया था। यह घोषणा पत्र विकसित बिहार के विजन पर आधारित है, जिसमें 1 करोड़ सरकारी नौकरियां, 1 करोड़ लखपति दीर्घाय (महिलाओं को 2 लाख रुपये की सहायता), हर फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी, 125 यूनिट मुफ्त बिजली, और बड़े आधारभूत संरचनाओं से संबंधित परियोजनाएं (इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स) जैसे एक्सप्रेस-वे और मेट्रो का विस्तार शामिल है। नीतीश कुमार और चिराग पासवान जैसे सहयोगियों के बीच एकजुटता दिखाते हुए राजग ने इसे सुशासन का संकल्प बताया था, जो पिछले 20 सालों के विकास को आगे बढ़ाएगा। राजग के घोषणापत्र में एक करोड़ से ज्यादा सरकारी नौकरी का वादा है। हर जिले में मेगा स्किल सेंटर बनाने का भी वादा किया गया है। राजग ने एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। किसान सम्मान निधि को 6 हजार

से बढ़ाकर 9 हजार करने का वादा किया गया है। बिहार के किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी का वादा भी दिया है। ईबीसी वर्ग के लोगों को 10 लाख तक की आर्थिक मदद दी जाएगी। स्कूलों में मिड डे मील में पौष्टिक नाश्ता बच्चों को देने का वादा भी किया गया है। बिहार में राजग की वापसी हुई तो 50 लाख एन पक्के मकान, मुफ्त राशन, 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली का भी वादा किया गया है। बिहार के 4 नए नहरों को मेट्रो की सीमागत को भी वादा दिया गया है। पटना, दरभंगा, पूर्णिया, भागलपुर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की शुरुआत की जाएगी। घोषणापत्रों के विश्लेषण की बात करें तो प्रण पत्र बिहार की पिछड़ी जातियों, दलितों और मुसलमानों को लक्षित करता है, जो उसका वोटबैंक माना जाता है। दूसरी ओर राजग का संकल्प डबल इंजन सरकार के फायदों को गिनाते हुए मोदी-नीतीश के राष्ट्रीय ब्रांड पर टिका है। राजग नेताओं ने प्रण पत्र को असंभव उतराया, दावा किया कि महागठबंधन के पास फंडिंग का इंतजाम नहीं। घोषणा पत्र मतदाताओं का विश्वास जीतने का आखिरी मौका है। सुशासन, बेरोजगारी (40 प्रतिशत युवा प्रभावित) और महंगाई मुख्य मुद्दे हैं। जनता के सामने दोनों पक्ष के दावेदारों के मजबूत चुनावी वादे और दावे हैं। अब बिहार के मतदाता तय करेंगे कि किसके वादों और काम पर उसका कितना विश्वास और भरोसा है।

## Nuggets in the dust

I quote from The Tribune dated October 18, 2025: "Sehjaldeep Kaur, daughter of a marginal farmer from Chotala village, 30 km from Hoshiarpur, has secured the 13th rank in the National Defence Academy merit list, thereby becoming the pride of her village and a symbol of hope for countless rural girls." She studied in rural schools and trained at the Mai Bhago Armed Forces Preparatory Institute in Mohali. As I sat writing down these thoughts, news came in regarding the Indian women's cricket team lifting the World Cup. This team includes about five girls from rural Punjab, Haryana and HP. In my opinion, they are a beacon of hope not only for rural girls but also boys. These girls from the lower economic stratum, whose parents have never been near a cricket pitch, let alone played on one, have proved that single-minded devotion to excellence enables you to lift yourself out of poverty without looking for shortcuts. Again, self-motivated, mostly self-taught with lots of parental encouragement and yes, latter-day recognition and professional coaching.

These girls prove that it's possible without fancy schools, that there is no need to give up studies to chase mirages in foreign lands, no need to sell your land and borrow money (Rs 40-50 lakh) to take the 'dunki' route and rot and die on the way.

The old days have gone, and the West no longer appears to need cheap foreign labour, IT and engineering professionals, or for that matter students. This can be seen in the increasingly protectionist stance being taken by the US in its trade policies, in its new visa policies for professionals and students, and its stance on illegal immigrants. Jobs are being denied or being made conditional to citizenship status.

Racism, too, is raising its ugly head, with incidents ranging from rape to physical and verbal abuse as well as killings. On the streets, in front of their shops or at their homes, immigrants are facing hatred which spouts in many forms. This trend is not just limited to the US; increasingly, right-wing ideology is coming out in the open in the UK and parts of Europe and even as far as Australia. Many factors are leading to this: (a) Their own economies are slowing with anaemic growth and are severely challenged by the rise of China and its industrial muscle; (b) The advances in technology and the advent of AI have brought in automation and computing, which are increasingly reducing the need for cheap foreign labour and techies. A new disruption is enveloping us whose full impact on employment is yet to be seen and understood. Much will change, for that is the very premise of disruption. The message from the West is clear — 'go home'. The question is: Where does India stand in the coming of this new age? India received \$135.46 billion in foreign remittances in the last fiscal year (The Times of India, June 2025), making us the largest recipient for almost 10 years running. A nation of approximately 1.5 billion people, the most populous in the world, with nearly 6 per cent living in extreme poverty and about 13 per cent of the youth unemployed, with the figure rising to 29 per cent in tertiary education graduates (World Bank), faces tremendous challenges. The past three decades have seen a sea change in our economic trajectory, with the Indian economy now becoming the fourth largest in the world. The levels of poverty have fallen remarkably and yet we have to go far to become a middle-income nation, let alone a high-income one. Do keep in mind that 6 per cent of the citizens living in extreme poverty translates loosely into 9 crore individuals; that is more than the population of Australia and Canada combined. The World Bank currently defines us as a lower middle-income country bracketed with Angola, Ghana, Myanmar, Cambodia, etc. Suffice to say that as a nation, we need a lot of jobs to ensure equitable growth.

## A fantasy called Chanakya

THE GREAT GAME: For a few tremulous hours, one half of India recognised itself in his victory

There is absolutely no historical evidence that a man called Chanakya ever lived during Mauryan times (300 BC) or that he guided Chandragupta Maurya to kingship. What we have is a story based on later Buddhist and Jain chronicles and Sanskrit plays like Mudra-rakshasa, all imagined after 500 AD, i.e. 700 years later.

Buddhists proclaimed Chandragupta's grandson, Ashoka, as champion of Buddhism. Jains told stories of how Chandragupta embraced Jainism and even fasted to death in Karnataka. Not wanting to be left behind, Brahmins argued that Chandragupta owed his success to a Brahmin minister—Chanakya, who was even identified with Kautilya, the author of Arthashastra. Today this is viewed as fact. But the Arthashastra refers to Chinese silk and Roman gold coins, both of which came to India around 200 AD, almost 400 years after Mauryan rule.

The Chandragupta-Chanakya relationship is a common narrative trope found in legends around the world. The talented youth and his shrewd mentor, much like the British myth of King Arthur and the sorcerer Merlin. Rajput chronicles of the 10th century present Harit Rishi as the yogi who guides Bappa Rawal against Arab invaders. Jain narratives from 12th-century Gujarat tell us how Acharya Hemachandra discovered an orphan with royal signs, raised him within Jain discipline, then watched him become King Kumarapala, patron of temples and inscriptions. In 14th-century Deccan, the Shaivite sage Vidyanaraya is widely believed to be the mentors of Hakka and Bukka, who found Vijayanagara: vision from the ascetic, execution by the warrior. Buddhist memory folds Greek Menander (100 BC) into the Milinda Pañha under the guidance of Nagasena and welds Kanishka (100 AD) to the poet-monk Ashvaghosha.

The pattern travels northeast to Tibet and Mongolia, where the Lama replaces the Rishi: Kublai Khan in the 13th century seeks counsel from the Phagpa Lama, later Dalai Lamas sanctify Mongol thrones. Across cultures, the partnership is constant: one consults, the other implements. The legend of Chanakya is simply this trans-civilisational script recast as Indian patriotism, with a dash of casteism—a Brahmin scholar manipulating politics to restore righteous order, overthrow corruption, and enthrone a "just" empire so that Brahmin wisdom may eternally guide royal might. When this story entered popular imagination, it installed a national mascot of cleverness and ruthless realism: Chanakya as India's Machiavelli, though separated by nearly two millennia. Television serials, airport novels, motivational posters, and management books celebrate him as the archetype of Indian strategy. But what they celebrate is not a documented historical individual; it is a convenient fiction that re-centres the Brahmin from ritual sidelines to



the nerve centre of power.

Why do such legends thrive? Because religion desires power and power desires sanctity. Monasteries depend on royal patronage; kings depend on priestly approval. Every copperplate grant, every prasasti, every court kavya is a receipt for this transaction, stamped with divinity. The saint's alleged detachment from wealth becomes the perfect marketing line for institutional enrichment; the king's alleged obedience to wisdom becomes the perfect alibi for territorial ambition. In this arrangement, the religious teacher is portrayed as pure and above politics, yet his counsel shapes empires; he claims no interest in land, yet the realms he blesses fatten his monastery. The transaction hides behind spiritual vocabulary. Modern India has doubled down on this fantasy. Politicians quote "Chanakya niti" as proof of timeless statecraft; business schools extract "management lessons" from aphorisms with dubious provenance; TV dramas cast him as proto-nationalist mastermind who rescued a broken land. The cost of this romance is under-discussed. When we

elevate the priestly strategist over the messy coalition of merchants, soldiers, officials, farmers, and frontier clans who actually build states, we erase material history and replace it with clerical hagiography. When we worship "strategy" as a set of cynical tricks rather than a patient reading of institutions, resources, logistics, and geography, we teach young minds to value manipulation over understanding. And when we insist that civilisational greatness requires a single guiding Brahmin, we shrink a plural subcontinent into a single caste's flattering mirror.

The refusal to ask for contemporaneous evidence is not innocent; it is political. It allows any present regime to draft a pliant sage from the past to bless its agenda. It also allows religious establishments to claim intellectual authorship of every imperial success while disclaiming every imperial atrocity. Conveniently, the sage is always right when the king triumphs, and never responsible when the king fails. The Chanakya myth is thus less about Mauryan history and more about our present hunger for a disinfected past in which power is wise, violence is necessary, and the Brahmin is indispensable.

## Spirited pushback by Hasina against party disenfranchisement

While Hasina took what she called 'leadership responsibility' for the deaths, she said all actions were taken in good faith to minimise the loss of life and restore law and order

Deposed Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina came out with guns blazing against her successor Muhammad Yunus's cancel culture in an exclusive online interview with this newspaper. Fifteen months after she was forced into exile in India following a domestic uprising, during which Hasina chose to stay mum on the alleged foreign hand, she spoke her mind on the interim government led by Yunus banning her Awami League from contesting the general election that is barely three months away. Evolving some mechanism to bar individuals under investigation for their alleged crimes could be understood. However, banning an entire mainstream party goes against the grain of fundamental rights of the electorate. Hasina pushed back against the charges of rigging elections when she was in power, conceding that some of the past elections were not fully participatory because major political parties chose to boycott them. That cycle of non-participation must now be broken, she added, making her case for lifting the ban on the Awami League to make the February election inclusive. She addressed difficult questions head on while disputing the UN's estimate of



1,400 deaths during the July 2024 uprising. While Hasina took what she called 'leadership responsibility' for the deaths, she said all actions were taken in good faith to minimise the loss of life and restore law and order. As for the toll, she claimed it included members of the security

forces and of Awami League members, too, but that segregation has not been made yet by the interim government. Her combative response was read as remorseless by sections of the commentariat, but she could not be expected to self-implicate when facing trial by a tribunal for alleged crimes against humanity during her watch as PM. Hasina also brushed aside charges of syphoning out \$234 billion from Bangladesh as laughable, and indulged in whataboutery, accusing Yunus of accumulating immense wealth.

In the end, Hasina came through as a leader trying to shore up the morale of her disenfranchised party. With the students who led the uprising pulling out all stops to get their nascent Jatiya Nagorik Party to capture power, the forthcoming battle of the ballot could be anything but peaceful. That is the challenge that stares at Yunus, who is said to aspire to ascend as president. How the dice rolls in February, only time can tell.

## How distance reveals what proximity conceals

Preparing to be an astronaut is not for the faint-hearted. It takes years of rigorous training, both physical and psychological, to qualify for a mission

Last week, I interviewed Tuva Atasever, a Turkish astronaut, as part of my PhD research at Oxford. While Atasever detailed the rigorous selection and training, his tone shifted when he recalled crossing the Kármán line. He spoke with fond nostalgia about floating in microgravity, describing it as a meditative and spiritually exhilarating experience.

In moments like that, astronauts often experience what space philosopher Frank White called the "overview effect". White describes it as a sudden realisation of interconnectedness, fragility, and unity of seeing our planet as a small, borderless sphere suspended in the void. From that vantage point, national borders vanish, politics dissolve, and our all-consuming problems seem trivial.

Preparing to be an astronaut is not for the faint-hearted. It takes years of rigorous training, both physical and psychological, to qualify for a mission. Candidates must endure extreme G-forces in centrifuges, learn to operate complex spacecraft systems under immense pressure, and pass gruelling wilderness survival simulations in case of off-course landings. This intense preparation is what makes the spiritual and meditative release of microgravity, as Atasever described, so profound. It's a reward earned by pushing human limits, a perspective shift that comes only after immense discipline and sacrifice. While most of us will never venture into space, we can and should carve out our own version of the overview effect in daily life. The key lies in stepping away from our here and now. By this, I don't mean just taking a break or going out with



friends; I mean doing something that inculcates a sense of wonder and awe. This shift is often achieved through a conscious retreat from our familiar routines, creating the space needed for quiet reflection and close observation.

In the mid-19th century, as America's industrial rush rapidly changed the pace of life, the philosopher

and writer Henry David Thoreau retreated to a simple, self-built cabin at Walden Pond to live deliberately and strip life down to its essentials. By consciously stepping away for a short period of time, he created space for deep reflection and for examining life through a lens of close, quiet observation. His two years of solitude, chronicled

in his book Walden, produced insights into self-sufficiency, the intricate beauty of nature, and the human condition, which continue to resonate nearly two centuries later.

This practice of strategic withdrawal is about gaining the perspective necessary to handle responsibility wisely. Abraham Lincoln understood this deeply. Known for his "hot letters," Lincoln would draft scathing responses when angry or frustrated, pouring his emotions onto paper and then deliberately set them aside unopened. That pause, that stepping back, transformed potentially destructive impulses into measured wisdom. The distance allowed him to see situations for what they truly were. We've all experienced how differently problems appear depending on our proximity to them. In the thick of a crisis, everything feels urgent, impossible, overwhelming. Emotions run high. Solutions seem nonexistent. We grow angry, defensive, or paralysed. But when we create some space, the same situation often appears manageable, even obvious in its solution.

Essentially, the overview effect is about zooming out to zoom in. It can, of course, help us make sense of tricky situations, but more importantly, it opens us up to new experiences. How does it do that? Simply by teaching us what to pay attention to, when, and how. Or as Wayne Dyer put it, "When you change the way you see the world, you change the world you see."

## Government updates pension rules: Parents must file this document for 75% benefit

New Delhi.(Agency)

The Centre has changed its rules for parents who receive family pension after losing a son or daughter who worked for the government. From now on, both parents must submit a life certificate every year if they want to continue receiving the higher pension amount of 75%. The order, issued by the Department of Pension and Pensioners' Welfare (DoPPW), comes after cases where pensions continued to be paid at a higher rate even after one parent had passed away. The new rule aims to ensure that the pension reaches the right beneficiaries in the correct amount.

### WHY THE RULES NEEDED A CHANGE

Under the current system, parents of a deceased government employee are eligible for pension only if their child was unmarried or left no spouse or children. When both parents are alive, they receive 75% of the employee's last drawn salary as pension. If only one parent is alive, the payout drops to 60%. The pension is paid regardless of whether the parents have other sources of income. However, the rules did not clearly state that both parents must submit life certificates. Due to this gap, pension offices had no way to confirm if both parents were alive, which led to some families receiving 75% pension even after losing one parent. Also, the life certificate must be submitted by November 30 every year. Failure to do so may lead to a temporary hold on pension starting December. The payments will resume only after the certificate is filed and verified.

The government says the move is designed to bring accuracy, fairness, and smoother pension processing, while preventing avoidable mistakes in disbursement.

## Mutual fund SIPs vs direct stocks: Where should young professionals bet

CHENNAI.(Agency)

Every month, Indian investors quietly reshape the country's savings DNA. Systematic Investment Plans (SIPs) in equity mutual funds now attract over Rs 22,000 crore monthly, even amid market volatility. For young professionals, the lure of direct stocks, instant control, multi-bagger dreams, and social-media bravado is understandable.

Yet four decades of global and Indian evidence reveal a sobering pattern: discipline and diversification, not adrenaline and instinct, drive enduring wealth creation. THE DISCIPLINE PREMIUM: WHY SIP WORK

Academically, SIPs mirror the dollar-cost averaging (DCA) concept—investing fixed sums at regular intervals regardless of price levels. Leggio and Lien (Financial Analyst Journal, 2003) found that while DCA may underperform a lump-sum strategy in pure return terms, it meaningfully reduces downside volatility and behavioural regret. For salaried Indians, SIPs institutionalise discipline. Benartzi and Thaler's (1995) theory of Myopic Loss Aversion showed that investors become too cautious when they check portfolios too often.

SIPs automate participation and lengthen the horizon, reducing emotional churn. Over ten-year windows, diversified equity SIPs have compounded at roughly 10–14% CAGR, comparable to Nifty TRI returns, but with far smoother investor experience. SIPs win not by return maximisation, but by behavioural optimisation. THE OVERCONFIDENCE PENALTY: WHY INDIVIDUALS UNDERPERFORM

Few findings in behavioural finance are as enduring as Barber and Odean's "Trading Is Hazardous to Your Wealth" (Journal of Portfolio Management, 2000). Studying 66,465 U.S. brokerage accounts, they found the most active traders lagged the market by about 7 percentage points per year.

## Tata Motors CV arm to list on November 12: What investors should know

New Delhi.(Agency)

Tata Motors' long-awaited restructuring will finally take full effect this week, with its commercial vehicles (CV) business debuting on the stock exchanges on November 12, 2025.

The demerger splits the auto giant into two separate listed companies—one focused on passenger vehicles and the other on commercial vehicles, marking a major shift in Tata Motors' corporate structure. So, what exactly is happening, and what does it mean for shareholders? Here's a simple breakdown. The newly demerged company, Tata Motors Ltd (formerly TML Commercial Vehicles Ltd), will officially list on both the BSE and NSE on Wednesday. This company will now house all of Tata Motors' commercial vehicle operations—trucks, buses, and related businesses—and will trade under the ticker symbol TMCV. According to the company, 368 crore shares of face value Rs 2 each will be listed. For the first ten trading sessions, the new stock will remain in the trade-for-trade segment, a standard listing requirement. This means investors can buy the shares only if they intend to take delivery, as intraday trading will not be allowed initially.

This listing comes after approvals from both exchanges and a go-ahead from the National Company Law Tribunal (NCLT) earlier this year. The demerger took effect on October 1, and shareholders were allotted one share in the new CV entity for every Tata Motors share held as of the record date, October 14, 2025. For investors, this separation means greater clarity and focus. Each business can now attract investors aligned with its specific growth prospects—the commercial arm for steady industrial growth and the passenger arm for electric and premium vehicle exposure.

In practical terms, shareholders do not need to take any action. The new shares should automatically reflect in demat accounts once trading begins on November 12.

# Gold at Rs 1.25 lakh, Silver extends gains: Why are prices rising again

New Delhi.(Agency)

Gold and silver prices continued their upward march this week, climbing to their highest levels in nearly three weeks. The rally comes on the back of easing concerns about the US government shutdown and growing expectations of another interest rate cut by the US Federal Reserve in December. Gold futures for December were trading at nearly Rs 1.25 lakh per 10 grams on Tuesday afternoon, while silver crossed Rs 1.55 lakh per kilogram, reflecting strong momentum in global and domestic bullion markets.

### GOLD, SILVER PRICES RISE AGAIN

The latest surge in precious metals has been driven by a mix of global and local factors. In the US, the Senate moved to end the country's longest-ever government shutdown through a temporary funding deal, which has improved investor confidence but also sparked speculation that the Federal Reserve may move to support the economy with another rate cut. Lower interest rates typically make non-yielding assets like gold and silver more attractive,

as investors look for safer alternatives during uncertain economic periods. Adding to the bullish trend, a weaker US dollar and ongoing geopolitical worries have also increased safe-haven demand for precious metals. According to Rahul Kalantri, Vice President of Commodities at Mehta Equities, gold has already achieved its short-term international target of \$4,150 (around Rs 1,25,000) and is likely to consolidate before moving higher. Similarly, silver has hit its near-term target of \$50.80 (around Rs 1,55,000) and could stabilise before attempting another upward move. Kalantri noted that gold prices have support between Rs 1,23,450 and Rs 1,22,880, while the next resistance levels are at Rs 1,24,850 and Rs 1,25,400. For silver, the support levels are around Rs 1,52,850–1,51,900, with resistance at Rs 1,54,940–1,55,880. In simple terms, if prices stay above the support range, the



uptrend is likely to continue. But if they fall below it, some short-term correction could follow.

### BUY NOW OR WAIT?

Experts believe that while gold and silver may pause for a short time after their recent rally, the longer-term outlook remains positive. Global investment bank

JP Morgan recently projected that gold could cross \$5,000 an ounce next year, driven by continued central bank buying and concerns over inflation and slowing growth. For Indian investors, this means any dip could be a good opportunity to accumulate gold gradually, especially for long-term wealth preservation. However, those looking for quick profits should be cautious, as both metals are now near short-term resistance levels and may consolidate before resuming their climb.

In short, gold and silver remain strong safe-haven assets. Prices may cool off briefly, but the broader trend continues to point upward. Long-term investors can consider buying in small quantities during any pullback, while traders should watch support and resistance levels closely before making fresh entries.

## Warren Buffett signs off: Key takeaways from his final letter to shareholders

New Delhi.(Agency)

Warren Buffett has written what he calls his final letter to Berkshire Hathaway shareholders, and it's as much about life as it is about business. The 95-year-old investor, who has led Berkshire for nearly six decades, announced he will no longer write the company's annual reports or address shareholders at the famous annual meeting. "As the British would say, I'm going quiet," Buffett wrote. His note, titled A Few Final Thoughts, was a rare mix of humility, reflection, and humour. He confirmed that Greg Abel will take over as CEO by the end of the year, describing him as "a great manager, a tireless worker and an honest communicator." Buffett said he will continue writing short Thanksgiving messages each year to stay connected with Berkshire's loyal investors. 'I'M GOING QUIET': THE END OF AN ERA

Buffett's announcement marks the end of one of the most iconic eras in corporate America. For over six decades, his annual letters were studied by investors worldwide, often blending financial



wisdom with moral clarity. In his final note, Buffett didn't discuss market forecasts or stock strategies, instead, he left behind reflections on humility, kindness, and living a meaningful life. "I will no longer be writing Berkshire's annual report or talking endlessly at the annual meeting. As the British would say, I'm going quiet," he said, before adding with his characteristic humour: "Sort of."

### 'IT'S NEVER TOO LATE TO IMPROVE'

Looking back on his long career, Buffett said he feels better about the second half of his life than the first. His advice: don't let regrets weigh you down. "Don't beat yourself up over past

mistakes, learn at least a little from them and move on. It is never too late to improve," he wrote. He also reminded readers to find inspiration from the right people. "Get the right heroes and copy them."

You can start with Tom Murphy; he was the best. Buffett used his final letter to define what true greatness means, and it had little to do with wealth or fame. "Greatness does not come about through accumulating great amounts of money, great amounts of publicity or great power in government," he wrote. "When you help someone in any of thousands of ways, you help the world. Kindness is costless but also priceless."

He ended that thought with a reminder of equality and humility: "Keep in mind that the cleaning lady is as much a human being as the Chairman." Buffett also shared a story about Alfred Nobel, the founder of the Nobel Prize, who changed his life after reading his own mistaken obituary. Using that as a metaphor, Buffett advised readers to decide early what they want their legacy to be: "Don't count on a newsroom mix-up."

## Want better SIP returns Follow the 10-7-10 mantra, says expert

New Delhi.(Agency)

For people investing in mutual funds through SIPs, the biggest challenge is not lack of knowledge — it's sticking to a plan. Market ups and downs can make even long-term investors nervous. To simplify the process, certified financial planner and personal finance expert Ritesh Sabharwal has shared a straightforward formula that he believes can help investors earn better returns over time.

"The point is to have discipline and expect reasonable returns," Sabharwal wrote on LinkedIn, adding that successful investing is more about behaviour than guessing market moves. BE READY FOR A 10% FALL EACH YEAR

The first part of the rule asks investors to make peace with volatility.

"Expect your investments to go down by 10% every year," Sabharwal said.

He explained that temporary market fall is not an exception — it is normal. In fact, Indian markets have seen at least one 10% drop in 20 of the last 23 years. His message is clear: anyone investing for long-term wealth must build tolerance for two things — time and short-term turbulence.

"You should be able to hold onto your investments during this volatility," he added. STAY INVESTED FOR MORE THAN 7 YEARS

The second number, 7, highlights the importance of patience.

"Keep investing your SIPs for over 7 years. Past market data shows that investments held for at least 7 years have always given positive returns," he said. Sabharwal stressed that

compounding works best when investors give their money enough time to grow. Short-term investing limits growth, while long-term investing gives markets time to recover from downturns and deliver better overall returns. INCREASE YOUR SIP BY 10% EVERY YEAR

The final 10 focusses on stepping up investments annually.

He explained this with an example: investing Rs 20,000 every month for 10 years at 12% returns could grow to roughly Rs 46 lakh. However, if the SIP amount is increased by 10 per cent every year, the same investment could grow to around Rs 67 lakh. "Of course, you can do as per your own needs. Maybe you can't step up 10%, so step up 5%," he said, making it clear that the idea is not to stretch finances.

# Rs 80,000 crore lying unclaimed: Why families fail to access loved ones' savings

**Families in India are losing track of their own inheritance. With Rs 80,000 crore unclaimed, financial advisers warn that the problem is not wealth creation, but the absence of clear records, nominations and open discussions at home.**

New Delhi.(Agency)

In India, thousands of families lose access to hard-earned savings — not because the money isn't there, but because no one knows where to look. From abandoned bank deposits to forgotten mutual funds and insurance payouts, a huge pile of wealth is lying untouched.

Sebi-registered investment adviser and founder of Sahaj Money, Abhishek Kumar recently wrote on LinkedIn, "Rs 80,000 crores sitting unclaimed funds. Because people won't talk about the one

conversation that matters most." The issue, he points out, is not lack of wealth, but lack of communication, paperwork, and family awareness. "Does your family know what you own? Your money could be sitting in accounts no one can access. This isn't a movie plot. This happens every single day in India," he warns.

### WHEN FAMILIES DISCOVER MONEY TOO LATE

Kumar shared real cases to show how common this is. "Last year, I helped a client document his entire portfolio. His wife had NO IDEA he had Rs 15 lakhs in mutual funds," he said. In another instance, a family spent nearly two years trying to unlock a bank account, simply because no nominee name was added. "Another client? His family spent 2 years trying to access his bank account because there was no nomination," he added.

### A WILL ALONE ISN'T ENOUGH

"Most people think a will is enough. It's not even close," Kumar said. He stresses that a will must be supported with proper proof and process. "A will without proper documentation is like a house without a foundation. Get a medical certificate the same day. Video record the signing,

Register it. These aren't overkill but essential steps," he advised.

### FAMILIES OFTEN DON'T KNOW ASSETS EVEN EXIST

Even if assets are safely invested, families



may still be clueless about them. "Bank account. Demat account. Mutual funds. Fixed deposits. Digital locker. Each one needs a different process for your heirs to access it," Kumar explained. "Your wife might inherit Rs 50 lakhs and not even know where to start looking," he added. His solution is simple but extremely effective: maintain a single, updated record.

### NOMINATION IS A GAME-CHANGER

One of the biggest myths is that a will always overrides a nomination. In reality, a nominee helps families get faster access

### WHAT ANALYSTS SAID

Analysts say that while Bajaj Finance remains one of India's most efficient and profitable lenders, its valuation premium is now under pressure. The stock trades at nearly five times FY27 estimated book value and 26 times FY27 earnings, leaving little room for disappointment. Even a small cut in growth guidance has been enough to trigger a sharp correction, especially in a market already showing signs of fatigue in high-valuation financial stocks. Morgan Stanley and Jefferies continue to view the correction as a long-term buying opportunity, while Motilal Oswal and JM Financial have adopted a more cautious stance, highlighting the risk of subdued near-term performance. For now, Bajaj Finance's sharp fall reflects a change in market sentiment—from unwavering optimism to careful watchfulness. The company's next few quarters will be key in proving whether this is just a temporary stumble or the start of a slower phase for India's most celebrated NBFC.

to funds. "With a nomination, your money goes directly. No courts. No waiting. No lawyers," Kumar stated. "I've seen families get access to their inheritance in 15 days because there was a nomination. It could take years without one," he added. His advice is direct: update nominations now, for every bank account, investment and insurance policy.

### THE CONVERSATION MOST FAMILIES AVOID

Most people won't talk to their families about money. They find it uncomfortable. But you know what's more uncomfortable? Your kids figuring out what you owned after you're gone," he said. He suggests a simple step: sit down with your family, show them account details, investments, nominations, and the reasons behind decisions. "Call your spouse. Call your kids. Show them where the money is. Explain why you made certain choices. Do it this month," he emphasised.

### A WILL ALSO NEEDS AN EXECUTOR

Even a perfectly drafted will needs the right person to carry it out. "A will without an executor is like a car without a driver," Kumar said. He advises choosing someone responsible, willing, and accessible.

# Nithari killings accused to walk free as Supreme Court acquits him in last case

**►Nithari killings: This was the 13th case against Nithari killings accused Surendra Koli. He has already been acquitted in 12 previous cases.**

**Agency New Delhi.**

The Supreme Court on Tuesday set aside the conviction of Surendra Koli in the last remaining murder case related to the infamous 2005-2006 Nithari killings in Noida, which drew widespread media attention and was the subject of the 2024 Hindi film Sector 36. "The petitioner is acquitted of the charges. The petitioner shall be released forthwith," a bench of Chief Justice BR Gavai, Justice Surya Kant and Justice Vikram Nath said.

The Supreme Court was hearing the curative petition filed by Koli against its 2011 judgment, which had confirmed his conviction in the killing of a 15-year-old girl. The top court, during a previous hearing, said Koli's conviction was merely based on a statement and the recovery of a kitchen knife. This was the 13th case against Koli. He has already been acquitted in 12 previous cases. Thus, with his latest acquittal, Koli is set to be a free man.



**THE NITHARI KILLINGS IN NOIDA**

The Nithari incident is among the few crimes in the country that have been marked by such inhumanity and media scrutiny. The Nithari killings came to light in December 2006, when skeletal remains of several children were found in a drain behind the house of businessman Moninder Singh Pandher in Noida's Nithari area. Both Pandher and Koli, who worked as domestic help in his household, were arrested. The Central Bureau of Investigation (CBI),

which took up the investigation, filed multiple cases against Koli on various charges, including murder, abduction, rape, and destruction of evidence. Pandher was charged in one case related to immoral trafficking. Between 2009 and 2017, Koli was convicted of raping and murdering various children and sentenced to death in 12 cases.

In the 13th case involving the 15-year-old girl, the Allahabad High Court initially held Koli guilty but acquitted Pandher. An appeal by Koli against this verdict was dismissed by the Supreme Court in 2011. A review plea by Koli was also later rejected in 2014. In 2015, the High Court commuted the sentence to life imprisonment due to an inordinate delay in deciding on Koli's mercy petition. In between, the High Court acquitted Koli in 12 cases and Pandher in two. This prompted the CBI and the victims' families to file 14 appeals before the Supreme Court. The top court dismissed the appeals on July 31.

## GRAP-3 Curbs In Delhi As Air Quality Gets 'Severe' For 1st Time This Season

**New Delhi. (Agency)**

As air quality in Delhi-NCR touched 'Severe' levels for the first time this season today, the Commission for Air Quality Management (CAQM) imposed Stage 3 of the Graded Response Action Plan (GRAP).

The decision was taken after city's average Air Quality Index (AQI) sharply rose to 425. According to the pollution control board's data, Anand Vihar recorded an AQI of 412, Alipur reported 442, and Bawana registered the highest level at 462. Chandni Chowk recorded an AQI of 416, while RK Puram and Patparganj logged 446 and 438, respectively. Meanwhile, the average AQI (Air Quality Index) in Delhi for the period between January 1st and November 9th, 2025, has been recorded as 175, which was 189 during the corresponding period last year. PM2.5 and PM10 concentration levels are 75 ug/m3 and 170 ug/m3, respectively, during this period, as against 87 ug/m3 and 191 ug/m3, respectively, during the corresponding period last year, according to a statement from the Ministry of Environment, Forest and Climate Change.

A decline in farm fire incidents has also been observed this year in Punjab and Haryana. Between 15th September and 9th November 2025, Punjab recorded 4,062 fire events as against 6,266 (i.e., 35.2% decline) during the corresponding period in 2024.

Haryana registered only 333 fire counts this year, compared to 959 (a 65.3% decline) during the corresponding period last year. The Commission for Air Quality Management in the National Capital Region and Adjoining Areas (CAQM) is actively reviewing the on-ground situation with Senior Officers of the State Governments of Punjab and Haryana and other concerned agencies. This is to ensure the strict implementation of Statutory Directions and to tackle the issue of stubble burning.

## What taking off Mani Kaul's glasses mean for Mita Vasisht's first film as director

**Agency New Delhi.**

By design, Lapdang Artimai Syiem is, at times, watchful and tentative, receiving and responsive in her first lead role in a Hindi film, Mani Kaul and That Thing called the Actor. Just like Mita Vasisht was, when presenting Siddheshwari Devi, the great thumri singer of Benaras in the 1991 film by Mani Kaul, one of Indian cinema's greatest auteurs and form-breakers. Common to both films is Vasisht. In Kaul's film, she was the lead actor; in this one, she is behind the camera. Mani Kaul... is her directorial debut, and it is based on the actor's craft, drawing from Vasisht's experiences of training herself not to 'become' another Siddheshwari but present her spirit in line with Kaul's vision of how Siddheshwari herself came to be.

In that journey if Vasisht drew from life, from the history of gestures of great actors like Helene Wiegel, German playwright Bertolt Brecht's partner and collaborator in the Berliner Ensemble, she also drew from her own training in the Natyashastra taught to her at the National School of Drama; Syiem, also an NSD-trained actor collaborated, says Vasisht, in much the same vein.

Vasisht's film, shown recently at the India International Centre, while being of the Mani Kaul school is not about Mani Kaul but a synaesthetic experience of the actor's world. And Syiem presents her director's life and processes when Vasisht was an actor for Siddheshwari, down to the loosening of limb, the act of watching, listening, thinking, halting, the touching of a swing, the opening of her mouth to sing on a ghat of Benaras as actorly exercises. In her film, what happens before the film starts, the nuts and bolts of the actor's craft, is key. Vasisht's essay film was 12 years in the making. It is a singular achievement in film - unless one thinks of Satyajit Ray's Nayak, a narrative film on a matinee idol's exhaustion with fame -- of the actor's work on her craft, her inner life, her internalisations - the heavy lifting the audience does not see - and her contribution towards the making of a film conventionally considered the director's medium.

## Delhi Police receives 75 surveillance drones to boost tech-based policing

**Agency New Delhi.**

The Delhi Police has received 75 surveillance drones from the Indira Gandhi Delhi Technical University for Women (IGDTUW), including one large, 15 medium, and 59 small drones, officials said on Monday.

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed between Delhi Police and IGDTUW in the presence of Lieutenant Governor V.K. Saxena. Joint Commissioner of Police (Crime) Suresh Kumar said the drones will be deployed across all 15 police districts and specialised units such as the Crime



Branch, Traffic, Railways, and Metro. They will be used for surveillance, crime scene documentation, disaster response, crowd control, and traffic monitoring, particularly during festivals and in crowded areas. "Under the 'Netra-Netrutva-Naari' initiative - meaning vision, leadership, and women - 108 women police personnel have been trained by IGDTUW to operate and manage the drones, highlighting women's role in technology-driven policing," Kumar said.

Over the years, Delhi Police has been modernising its systems by adopting AI-powered facial recognition, the Safe City Project, Intelligent Traffic Management System (ITMS), and smart e-beat platforms. It has also launched women's safety apps like Tatpar and Himmat Plus, and signed MoUs with leading institutions such as IIT Delhi, IIT Delhi, NLU, RRU, and NFSU to strengthen its technological capabilities.

## 3 hours, one car, and a blast: The Red Fort puzzle cops are trying to solve

**Agency New Delhi.**

Dr Umar Mohammad, the suspect in the Red Fort car blast, entered the parking area adjacent to Sunehri Masjid at 3:19 pm and remained there until 6:22 pm. He left the spot shortly before the explosion that ripped through Subhash Marg near Gate No 1 of the Red Fort Metro Station. For three hours, the explosives-laden car remained parked in the heart of the national capital before the blast killed ten people and sent the entire country into panic. What Umar did in those three hours is a puzzle for cops to solve. Sources told India Today that Umar planned the attack along with two of his associates. He, however, carried it out alone in panic after his accomplices were arrested in Faridabad earlier on Monday. From entry at 3:19 pm to exit at 6:22 pm is a window now under intense scrutiny.

Those missing three hours could reveal whether the explosion was part of a larger network or an isolated act. The Delhi Police Special Cell, along with central intelligence agencies, is



analysing the route frame by frame to identify every location where the car stopped and to determine whether more than one person was involved in driving the vehicle during the day. Delhi Police have traced the chain of

ownership of the Hyundai i20 revealing a complex trail of multiple transfers that ultimately led to the key suspect, Dr Umar Mohammad. In Pulwama, Tariq Ahmad Dar (38), son of retired patwari Ghulam Mohammad Dar and a tipper driver from Kharpora Sambura, was detained during the night. According to intelligence sources, the car was originally owned by Md Salman, who later sold it to Nadeem. Nadeem subsequently handed it over to a used car dealer named Royal Car Zone in Faridabad. After that, the vehicle was subsequently purchased by Aamir, then Pulwama-based Tariq, who is also believed to be a member of the Faridabad terror module. The vehicle eventually found its way to Dr Umar Mohammad, the prime suspect in the Red Fort explosion.

## 5 Men, 5 Families And Shattered Dreams: The Many Victims Of Delhi Blast

**Agency New Delhi.**

The deadly blast near Delhi's iconic Red Fort, which shattered the national capital's peace and set off alarm bells in India's security establishment, turned the world upside down for nine families who lost their own and must now pick up the pieces. Pankaj Saini, originally from Bihar, was a cab driver who had just dropped off a passenger at Chandni Chowk. Noman from Uttar Pradesh's Shamli was in the area to pick up supplies for his cosmetic shop. And Ashok Kumar, who worked as a conductor with the Delhi Transport Corporation, was in the crowded area to meet another victim. It was just another day for them, till it wasn't. A white i20 car, probably driven by a suicide bomber, exploded, and death ripped through several other vehicles. Pankaj Saini, 22, was his family's sole



earner. "What do I say? Pankaj had just dropped off a passenger at Chandni Chowk when this happened. We demand justice from the government, we hope justice will be served," his father told the media at Delhi's Lok Nayak Hospital, where he came to collect his young son's body. Ashok, too, was the only earning member of a family of eight. Originally from Amroha, he lived in Delhi's Jagatpur with his wife and four children. A Delhi

Transport Corporation employee, he was in the area to meet Lokesh Kumar Gupta, also from Amroha, when tragedy struck. Hours after the blast, Ashok's cousin saw his name on the list of the victims. "I read his name in the list and said, 'He is my cousin.' I called around to confirm. He also had a bike, which is missing." His mother, Somwati, lives in the village with her elder son, Subhash. Ashok single-handedly shouldered family responsibilities because Subhash is often unwell," Pappu said. Ashok also worked as a security guard at night for some extra income, he said. A relative of Lokesh Gupta said he was supposed to meet Ashok at Chandni Chowk. "Lokesh Kumar Gupta is my relative. We left Sir Ganga Ram Hospital together.

## Two friends from UP's Amroha killed in Red Fort blast, met in Delhi to catch up

**The deceased were identified as Ashok Kumar, a bus conductor working in Delhi, and Lokesh Agarwal, a fertilizer trader from Hasanpur. Both men died instantly when a Hyundai i20 car exploded near the Red Fort Metro Station.**

**Agency New Delhi.**

Two friends from Uttar Pradesh's Amroha district were among the victims of Monday evening's powerful car explosion near Delhi's Red Fort. The deceased were identified as Ashok Kumar, a bus conductor working in Delhi, and Lokesh Agarwal, a fertilizer trader from Hasanpur. Both men died instantly when a Hyundai i20 car exploded near the Red Fort Metro Station, according to police. Lokesh (35) had travelled to Delhi to visit a relative admitted at Sir Ganga Ram Hospital, news agency ANI reported. On his way back home, he stopped to meet his friend Ashok. But their reunion ended in tragedy. "Lokesh had gone to Delhi to meet his

friend Ashok. Unfortunately, both lost their lives in the explosion near Red Fort. This is an irreparable loss for their families," said local MLA Mahendra Singh Khadavanshi while speaking to ANI. Family members of Lokesh said they learnt of his death after police traced a call from his last dialled number. Acquaintances in Hasanpur described Lokesh as "kind-hearted and always ready to help others". Local police brought the news of Ashok's death to his family when they arrived at his village for an investigation. Ashok's cousin and the village sarpanch Sompal confirmed the news, saying the family was "in disbelief".

Ashok, 38, had been working as a bus conductor for a Delhi transport



company and lived in a rented accommodation in the capital with his wife and two children. His father passed away a few years ago, and his elderly mother still lives in their

ancestral home. "She hasn't been told yet," said a neighbour. "We don't know how she'll take it." Police questioned Ashok's family about his stay in Delhi before allowing them to travel to identify and collect his body. Meanwhile, preliminary findings point to a link between the Red Fort blast and a terror module busted last week in Haryana's Faridabad, where 360 kg of ammonium nitrate were seized. According to sources, Mohammad Umar, a Kashmiri doctor, was allegedly driving the car and carried out the fidayeen-style attack near the Red Fort parking area. Umar was allegedly part of the Faridabad module.

## NEWS BOX

## Canada loses measles-free status as outbreaks surge and vaccination rates fall

WASHINGTON . (Agency)

Canada is no longer measles-free because of ongoing outbreaks, international health experts said Monday, as childhood vaccination rates fall and the highly contagious virus spreads across North and South America. The loss of the country's measles elimination status comes more than a year after the highly contagious virus started spreading.

Canada has logged 5,138 measles cases this year and two deaths. Both were babies who were exposed to the measles virus in the womb and born prematurely. Measles elimination is a symbolic designation, but it represents a hard-won battle against the infectious disease. It is earned when a country shows it stopped continuous spread of the virus within local communities, though occasional cases might still pop up from travel. Measles typically begins with a high fever followed by a telltale rash that starts on the face and neck. Most people recover, but it's one of the leading causes of death among young children, according to the World Health Organisation. Serious complications, including blindness and swelling of the brain, are more common in young children and adults over age 30.

It is prevented by a vaccine administered routinely and safely to children around the world.

"It's a deeply disheartening development. It's a deeply worrisome development. And, frankly, it's an embarrassing development," said Jennifer Nuzzo, a Brown University infectious disease expert. "No country with the amount of resources of Canada — or other countries in North America even — should lose their measles elimination status."

## VACCINATION CAMPAIGNS LED TO ELIMINATION

Canada eliminated measles in 1998, followed by the United States two years later. After hugely successful vaccination campaigns, the Americas became the first region in the world to be free of measles in 2016. Health officials estimate the measles vaccine prevented 6.2 millions deaths in the Americas between 2000 and 2023.

## David Szalay wins 2025 Booker Prize for his novel 'Flesh'

world.(Agency)

Canadian-Hungarian-British writer David Szalay won the Booker Prize for fiction on Monday for "Flesh," the story of an ordinary man's life over several decades in which what isn't on the page is just as important as what is. Szalay, 51, beat five other finalists, including favourites Andrew Miller and Kiran Desai, to take the coveted literary award, which brings a 50,000-pound (\$66,000) payday and a big boost to the winner's sales and profile. He was chosen from 153 submitted novels by a judging panel that included Irish writer Roddy Doyle and "Sex and the City" star Sarah Jessica Parker.

Doyle said "Flesh" — a book "about living, and the strangeness of living" — emerged as the judges' unanimous choice after a five-hour meeting. Szalay's book recounts the life of taciturn Istvan, from a teenage relationship with an older woman through time as a struggling immigrant in Britain to denizen of London high society. The author has said he wanted to write about a Hungarian immigrant, and "about life as a physical experience, about what it's like to be a living body in the world." Accepting his trophy at London's Old Billingsgate — a former fish market turned glitzy events venue — Szalay thanked the judges for rewarding his "risky" novel.

## US Supreme Court rejects appeal seeking to overturn same-sex marriage decision

HUNTINGTON .(Agency)

The US Supreme Court on Monday rejected a call to overturn its landmark decision that legalized same-sex marriage nationwide. The justices, without comment, turned away an appeal from Kim Davis, the former Kentucky court clerk who refused to issue marriage licenses to same-sex couples after the high court's 2015 ruling in Obergefell v. Hodges.

Davis had been trying to get the court to overturn a lower-court order for her to pay \$360,000 in damages and attorney's fees to a couple denied a marriage license. Her lawyers repeatedly invoked the words of Justice Clarence Thomas, who alone among the nine justices has called for erasing the same-sex marriage ruling. Thomas was among four dissenting justices in 2015. Chief Justice John Roberts and Justice Samuel Alito are the other dissenters who are on the court today. Roberts has been silent on the subject since he wrote a dissenting opinion in the case. Alito has continued to criticise the decision, but he said recently he was not advocating that it be overturned. Justice Amy Coney Barrett, who was not on the court in 2015, has said that there are times when the court should correct mistakes and overturn decisions, as it did in the 2022 case that ended a constitutional right to abortion. But Barrett has suggested recently that same-sex marriage might be in a different category than abortion because people have relied on the decision when they married and had children. Human Rights Campaign president Kelley Robinson praised the justices' decision not to intervene. "The Supreme Court made clear today that refusing to respect the constitutional rights of others does not come without consequences," Robinson said in a statement. Davis drew national attention to eastern Kentucky's Rowan County when she turned away same-sex couples, saying her faith prevented her from complying with the high court ruling. She defied court orders to issue the licenses until a federal judge jailed her for contempt of court in September 2015.

## China's 'K-visa', modelled on H-1B, draws interest from skilled IT professionals

**The K-visa supplements China's existing visa schemes, including the R-visa for foreign professionals, but with loosened requirements, such as not requiring an applicant to have a job offer before applying.**

WASHINGTON . (Agency)

HONG KONG: Vaishnavi Srinivasagopalan, a skilled Indian IT professional who has worked in both India and the US, has been looking for work in China. Beijing's new K-visa program targeting science and technology workers could turn that dream into a reality. The K-visa rolled out by Beijing last month is part of China's widening effort to catch up with the US in the race for global talent and cutting edge technology. It coincides with uncertainties over the US' H-1B program under tightened immigration policies implemented by President Donald Trump.

"(The K-visa for China (is) an equivalent to the H-1B for the US," said Srinivasagopalan, who is intrigued by China's working environment and culture after her father worked at a Chinese university a few years back. "It is a good option for people like me to work abroad. The K-visa supplements China's existing visa schemes, including the R-visa for foreign professionals, but with loosened requirements, such as not requiring an applicant to have a job offer before applying. Stricter US policies toward foreign students and scholars under Trump, including the raising of fees for the H-1B visa for foreign skilled workers to \$100,000 for new applicants, are leading some non-American professionals and students to consider going elsewhere.

"Students studying in the US hoped for an (H-1B) visa, but currently this is an issue," said Bikash Kali Das, an Indian masters student of international relations at Sichuan University in China. China wants more foreign tech professionals. China is striking while the iron is hot. The ruling Communist Party has made global



leadership in advanced technologies a top priority, paying massive government subsidies to support research and development of areas such as artificial intelligence, semiconductors and robotics. "Beijing perceives the tightening of immigration policies in the US as an opportunity to position itself globally as welcoming foreign talent and investment more broadly," said Barbara Kelemen, associate director and head of Asia at security intelligence firm Dragonfly. Unemployment among Chinese graduates remains high, and competition is intense for jobs in scientific and technical

fields. But there is a skills gap China's leadership is eager to fill. For decades, China has been losing top talent to developed countries as many stayed and worked in the US and Europe after they finished studies there. The brain drain has not fully reversed.

Many Chinese parents still see Western education as advanced and are eager to send their children abroad, said Alfred Wu, an associate professor at the National University of Singapore. Still, in recent years, a growing number of professionals including AI experts, scientists and engineers have moved to China from the US, including Chinese-Americans. Fei Su, a chip architect at Intel, and Ming Zhou, a leading engineer at US-based software firm Altair, were among those who have taken teaching jobs in China this year. Many skilled workers in India and Southeast Asia have already expressed interest about the K-visa, said Edward Hu, a Shanghai-based immigration director at the consultancy Newland Chase. Questions about extra competition from foreign workers.

## While Trump threatens controllers, US flight cancellations will drag on even after shutdown ends

KYIV . (Agency)

Air travelers should expect worsening cancellations and delays this week even if the government shutdown ends, as the Federal Aviation Administration rolls out deeper cuts to flights at 40 major US airports, officials said Monday. The fourth day of the flight restrictions saw airlines scrap over 2,300 flights Monday and more than 1,000 flights set for takeoff Tuesday. Unpaid for more than a month, some air traffic controllers have begun calling out of work, citing stress and the need to take on second jobs. US President Donald Trump took to social media on Monday to pressure controllers to "get back to work. NOW!!!" He called for a \$10,000 bonus for those who've stayed on the job and suggested docking pay for those who haven't. Rep. Rick Larsen, the top Democrat on the House Committee on Transportation and Infrastructure, and Sen. Tammy Duckworth, ranking member of the Senate's Aviation Subcommittee, condemned the president's remarks, saying controllers deserve appreciation and support — not

attacks. The head of the controllers union says its members are being used as a "political pawn" in the shutdown fight. Meanwhile, the Senate passed legislation Monday to reopen the government, though the bill also needs to clear the House and final passage could be days away. Transportation Secretary Sean Duffy made clear last week that flight cuts will remain in place until the FAA sees staffing levels stabilize at its air traffic control facilities. And because the flight disruptions are widespread and ongoing, many planes aren't where they're supposed to be, which could also slow the airlines' return to normal operations even after the FAA lifts the order, said Mike Taylor, who leads research on airports and airlines at J.D. Power. "If you think about it, there's all these aircraft that didn't fly where they were supposed to on a normal route," Taylor said, noting airlines will need to track down all their planes, figure out where each needs to be, and find pilots and cabin crew for those flights.

Since Friday, airlines have canceled about 8,000 flights under orders to drop 4% of flights at 40 of the nation's

busiest airports. That will rise to 6% on Tuesday and 10% by week's end, the FAA says. One in 10 flights nationwide were scratched Sunday — the fourth worst day for cancellations in almost two years, according to aviation analytics firm Cirium. Controller shortages also led to five-hour delays Monday evening at Chicago O'Hare International Airport, where wintry weather added to the disruptions earlier in the day, and the FAA warned that staffing at over a dozen towers and control centers could cause delays in cities including Philadelphia, Nashville and Atlanta. That leaves travelers growing angry. "All of this has real negative consequences for millions of Americans, and it's 100% unnecessary and avoidable," said Todd Walker, who missed his mom's 80th birthday when his flight was canceled over the weekend. The FAA also expanded flight restrictions Monday, barring business jets and many private flights from using a dozen airports already under commercial flight limits. Airports nationwide have seen intermittent delays since the shutdown began because the FAA slows.

## Canadian Judge Rules Man Accused Of Sharing Fake Nude Image Of Wife Did Not Commit Crime

world.(Agency)

A man accused of distributing a fake nude image of his wife on social media has been acquitted after a Canadian judge ruled that it was not a crime. Ontario Court Justice Brian Puddington remarked that distributing fake nude images of a real person might be a "morally reprehensible" and "obscene" act, but it is not a crime due to the wording of the offence in the Criminal Code. The accused was initially charged with publishing, distributing and transmitting his wife's altered images without her consent to an unknown male on Snapchat. The victim was clothed in some photos, but in one she was wearing only a bra in her bathroom, while another pic had her face "digitally manipulated" and placed on top of a naked body that was not hers, according to a report in Toronto Star. As per Puddington, the photos did not meet the definition of



intimate images under the Criminal Code. The first pic did not have a sufficient level of nudity, while the manipulated image did not actually show the victim's body. "None of this is to say that creating and distributing these fake images is not morally reprehensible and, frankly, obscene. It may be that Parliament will turn its mind to criminalising this conduct in the future," the judge wrote. "While I am sympathetic to her, that sympathy cannot play any role in my judgment. I must apply the law dispassionately,

and not try to shoehorn images into a definition simply because I find the photographs deplorable." Just because it's Not A Crime... Reacting to the ruling, social media users said they understood the judge's point of view but demanded that the laws be changed to address the grey area. Legislation should have been passed and not fiddled out. These are seriously demeaning crimes," said one user, while another added: "I hope this incentivizes law change. I fear it'll start a rampant increase of revenge porn." A third commented: "Just because it's not a crime doesn't mean he won't be divorced and sued for damages. I would imagine it's going to be an easy win for his ex-wife." A fourth said: "To be clear, this isn't setting any new precedent. Judges cannot legislate, and parliament has inadvertently acknowledged that current legislation doesn't cover fake nudes."

## US Senate approves bill to end government shutdown, sending it to House of Representatives

WASHINGTON . (Agency)

The Senate passed legislation Monday to reopen the government, bringing the longest shutdown in history closer to an end as a small group of Democrats ratified a deal with Republicans despite searing criticism from within their party. The 41-day shutdown could last a few more days as members of the House, which has been on recess since mid-September, return to Washington to vote on the legislation.

US President Donald Trump has signaled support for the bill, saying Monday that "we're going to be opening up our country very quickly." The final Senate vote, 60-40, broke a grueling stalemate that lasted more than six weeks as Democrats demanded that Republicans negotiate with them to extend health care tax credits that expire Jan. 1. The Republicans never did, and five moderate Democrats eventually switched their votes as federal food aid was delayed, airport delays worsened and hundreds of thousands of federal workers continued to go unpaid. House Speaker Mike Johnson urged lawmakers to start returning to

Washington "right now" given shutdown-related travel delays, but an official notice issued after the Senate vote said the earliest the House will vote is Wednesday afternoon. "It appears our long national nightmare is finally coming to an end," said Johnson, who has kept the House out of session since mid-September, when the House passed a bill to continue government funding.

After weeks of negotiations, a group of three former governors — New Hampshire Sen. Jeanne Shaheen, New Hampshire Sen. Maggie Hassan and Independent Sen. Angus King of Maine — agreed to vote to advance three bipartisan annual spending bills and extend the rest of government funding until late January. Republicans promised to hold a vote to extend the health care subsidies by mid-December, but there was no guarantee of success. Shaheen said Monday that "this was the option on the table" after Republicans had refused to budge. "We had reached a point where I think a number of us believed that the shutdown had been very effective in



raising the concern about health care," she said, and the promise for a future vote "gives us an opportunity to continue to address that going forward." The legislation includes a reversal of the mass firings of federal workers by the Trump administration since the shutdown began on Oct. 1. It also protects federal workers against further layoffs through January and guarantees they are paid once the shutdown is over. In addition to Shaheen, King and Hassan, Democratic Sen. Tim Kaine of Virginia, home to tens of thousands of federal workers, also voted Sunday in favor of moving forward on the agreement. Illinois Sen. Dick Durbin, the No. 2

Democrat, Pennsylvania Sen. John Fetterman and Nevada Sens. Catherine Cortez Masto and Jacky Rosen also voted yes. All other Democrats, including Senate Democratic leader Chuck Schumer of New York, voted against it. The moderates had expected a larger number of Democrats to vote with them as 10 to 12 Democratic senators had been part of the negotiations. But in the end, only five switched their votes — the exact number that Republicans needed. King, Cortez Masto and Fetterman had already been voting to open the government since Oct. 1.

Many Democrats call the vote a "mistake" Schumer, who received blowback from his party in March when he voted to keep the government open, said he could not "in good faith" support it after meeting with his caucus for more than two hours on Sunday. "We will not give up the fight," Schumer said, adding that Democrats have now "sounded the alarm" on health care. Independent Sen. Bernie Sanders of Vermont, who caucuses with the Democrats, said giving up the fight was a "horrific mistake."



## NEWS BOX

## South Africa Tests crucial for India's World Test Championship cycle: Mohammed Siraj

New Delhi. (Agency)

Mohammed Siraj has claimed that the upcoming two-match series against South Africa will be crucial for India's World Test Championship cycle. India started the 2025-27 cycle with a 2-2 draw in England and then followed it up with a 2-0 home series win over the West Indies.

India is currently third in the WTC standings with 61.5 percent, behind Australia and Sri Lanka. The Indian team missed out on playing in their third WTC final last time around and will be eager to ensure that doesn't happen in the current cycle. India will be up against the defending WTC champions, who secured a 1-1 draw in Pakistan ahead of the India series. Siraj, while talking to Star Sports, said that the Indian team are confident about their form and have created a positive environment around the



side. "This series is crucial for the new WTC cycle, especially since South Africa is the defending champion. While they drew 1-1 with Pakistan, we're confident from our own good form, we created a positive environment, performed well in England, and won against the West Indies," said Siraj.

## 'EXCITED FOR SA CHALLENGE'

Siraj has been in stunning form during the current cycle and has spearheaded the Indian attack, especially during the absence of Jasprit Bumrah. The pacer has picked up 33 wickets in seven matches so far in WTC 2025-27 and is leading the charts with an average of 26.54. Siraj said that he is bowling with good rhythm at the moment and is aiming to make the most of his chances. The pacer said he is excited for the challenge from South Africa.

"Personally, I'm bowling with good rhythm and looking to make the most of it. Facing strong teams helps identify areas to improve, and I'm really excited for this challenge," said Siraj.

## Sunil Chhetri leads footballers' plea for ISL restart: Anger turns to desperation



New Delhi. (Agency)

Indian footballing fraternity, including the likes of Sunil Chhetri, along with other footballing stars on Tuesday appealed to football authorities to resolve the ongoing impasse surrounding the Indian Super League (ISL) season, saying players are now "desperate" to return to the field and want the league to begin "now." The national team centre-back, who also represents FC Goa at club level, posted a statement on social media, saying ISL footballers are united in their effort to get the country's top-tier competition underway without further delay. The message comes amid growing uncertainty after the All India Football Federation (AIFF) announced last week that it had not received any bid for commercial rights to the ISL, deepening concerns over the league's already-postponed season. The development has left Indian domestic football in disarray, with clubs unclear about timelines, financial mechanisms, broadcast arrangements and operational planning. The delay has already had a ripple effect across multiple clubs. Mohun Bagan Super Giant, the reigning ISL champions, suspended all football activities indefinitely, citing the lack of clarity surrounding the season's future. The Kolkata club has also stated it will review the contracts of its players and coaching staff next month if the situation does not improve. Other clubs are monitoring the situation closely as financial and training uncertainties continue to mount. The commercial partner for the ISL was expected to manage match production, ensure a minimum of 11 broadcast cameras at venues, oversee league marketing, media rights sales and grassroots investments.

## England's Bazball approach evolving from reckless and entertaining: Ben Duckett

**England's Ben Duckett is saying that the Bazball approach is evolving ahead of the all-important Ashes series. England have adopted an ultra-aggressive approach since Brendon McCullum took over as the coach of the Test team.**

New Delhi. (Agency)

Ben Duckett has claimed that England's Bazball approach is evolving from being reckless and entertaining ahead of the Ashes series. Since Brendon McCullum has taken over as the coach of the England Test team, they have been known for their ultra-aggressive approach, which has seen the side go for wins and not settle for draws. England have won 25 Tests out of 40 under the Bazball approach, with just two draws. They have a win percentage of 62.5 percent. However, there have been critics of the approach over the years, with Geoffrey



Boycott being one of them. Speaking ahead of the Ashes, Duckett said that England will head into the series without any baggage on them. "This group we've got, I actually saw the other day I'm the fourth oldest, which was tough to see," Duckett told the Willow

Talk podcast. "So we've got quite a fresh group coming here where there's not a lot of baggage, which I think will help us." Duckett pointed out to the India series when England didn't look to attack the bowling with a few overs left in the day and were aiming to just

see through it. "I think now it's definitely about reading moments," Duckett said. "[Brendon McCullum] will come up to me and say, now you're a better player than just getting 40 off 30 and getting us off to a good start." There's moments as an opening batsman, for example, it could be at Perth in a few weeks, where we've got five overs to see at the end of the day. And I did it against India last summer, where actually just get through it. I don't care how many runs you've got, just be there in the morning."

Duckett said that the aim right now is to get a good start and then bank on it. "I think that's where we're trying to go as a team now, it's not just being this entertaining, reckless at times, side. And it's something that I've got frustrated with myself in the past, where I might have got 80 off 60 and it looks great and stuff, but they're going to put my side in a good position. So it's realising moments and doing that and then kicking on and getting a big score. And I think that's where we're really wanting to go as a side now," said Duckett. England and Australia will start the Ashes this year with the first match in Perth starting on November 21.

## India vs South Africa: Special toss coin featuring Gandhi, Mandela for Test series

New Delhi. (Agency)

The Cricket Association of Bengal (CAB) has introduced a special gold coin for the toss in the first Test match between India and South Africa at Eden Gardens on November 14. The coin features Mahatma Gandhi on one side and Nelson Mandela on the other, symbolising the values of peace, freedom and non-violence. CAB President Sourav Ganguly revealed that the coin was made specifically for the series and will be used during the toss ceremony. The India vs South Africa Test series is once again being played for the Freedom Trophy, which was established to honour Gandhi and Mandela. The trophy celebrates their shared legacy and the message of non-violence that both leaders carried across the world.

The first Test will mark the return of Test cricket to Eden Gardens after six years and has generated tremendous interest among cricket fans. Tickets for the first three days are almost sold out, with 96,000 already gone, and a total of 1.4 crore tickets sold



overall, according to CAB Treasurer Sanjay Das. The match will take place amid heightened security in the wake of the recent blast near Red Fort, New Delhi. The CAB and Kolkata Police have taken special precautions to ensure the safety of players and spectators. On the eve of the match, the CAB will host the Jagmohan Dalmiya Memorial Lecture on November 13. Sunil Gavaskar will deliver the keynote address, with cricketers from both sides in attendance. Dalmiya, who once helmed both the BCCI and ICC, is remembered for

transforming India into a powerhouse in world cricket. Team India arrived in the city on Sunday evening with captain Shubman Gill, Jasprit Bumrah, and head coach Gautam Gambhir after completing their white-ball commitments in Australia on Saturday. Gambhir inspected the Eden surface on Monday morning in the company of batting coach Sitanshu Kotak. Ganguly also examined the wicket later in the day before ground staff covered the entire square to shield it from dew and any unexpected rain. Well, they haven't asked for it yet. So I won't be able to answer the question," Ganguly said when asked whether India had specifically sought a turning track.

"It looks a very good wicket."

South Africa are heading into the Test series as world champions after having beaten Australia in the World Test Championship final earlier this year. The Proteas played in Pakistan last month, clinching a 1-1 draw in a two-match series.

## IND vs SA: No rank turner requested by India for Eden Gardens opener, says Ganguly

New Delhi. (Agency)

Cricket Association of Bengal (CAB) president Sourav Ganguly has clarified that the Indian team management has not requested a rank turner for the opening Test of the two-match series against South Africa, which begins at the Eden Gardens on Friday. The statement comes amid speculation over conditions India may look to create at the venue, particularly with the visitors carrying an experienced spin unit. India head coach Gautam Gambhir, who returned from Australia along with members of the white-ball squad on Sunday evening, inspected the Eden surface on Monday morning in the company of batting coach Sitanshu Kotak. Ganguly also examined the wicket later in the day before ground staff covered the entire square to shield it from dew and any unexpected rain.

"Well, they haven't asked for it yet. So I won't be able to answer the question," Ganguly said when asked whether India had specifically sought a turning track. "It looks

a very good wicket." Eden Gardens has already hosted two Ranji Trophy games this season, and the surfaces on those occasions tended to play on the slower side, with limited early assistance for fast bowlers. Bengal's pace-led attack initially struggled



against Uttarakhand before Mohammed Shami produced a decisive spell that swung the match. Though the pitch has not been watered since Saturday, CAB curator Sujun Mukherjee expressed satisfaction with its current state. He added that Gambhir appeared "happy to see the wicket" during

his inspection. Mukherjee said Gambhir enquired when the surface might begin to offer turn, and was informed that spinners could come into play from the third day.

Historically, the Eden wicket is not known for producing excessive spin from the outset. It often provides slight movement in the first hour before settling into a batting-friendly surface. However, Mukherjee noted that assistance for spinners could arrive earlier depending on weather and wear. "It's going to be a good sporting wicket with help for both batters and bowlers," he said. South Africa, the reigning World Test Champions, will arrive with a capable spin line-up led by left-arm spinner Keshav Maharaj, supported by off-spinner Simon Harmer and left-arm spinner Senuran Muthusamy. The trio performed strongly during their recent drawn Test series against Pakistan. India, meanwhile, will remain mindful of last year's defeat to New Zealand in Pune, where Mitchell Santner's 13 wickets delivered the Black Caps' first Test series win on Indian soil.



have got to pick up points on a more consistent basis. Then let's see where we are after Christmas time or whatever. "NO TITTLE TALK YET" With 18 points to their name, Liverpool find themselves in eighth in the points table and trail leaders Arsenal by eight points. However, Robertson said that it is too early to talk about the title as only games have been played.

The Scottish defender said that there is no talk about the title inside the Liverpool dressing room at the moment. "I don't think you can talk about the title this early on in the season, regardless of what position you're in," he added. "You need to then consistently start winning games again for that to even come into question." It's definitely not a question that's getting spoken about in the changing room or anything.

## Ranji Trophy: Jammu &amp; Kashmir script history, beat Delhi for first time in 65 years

**Qamran Iqbal stood unbeaten on 133, while incisive spells from Auqib Nabi and Vanshaj Sharma guided Jammu & Kashmir past Delhi, securing their maiden Ranji Trophy victory over the capital side.**

New Delhi. (Agency)

Jammu & Kashmir rewrote the Ranji Trophy record books on Tuesday by defeating Delhi by seven wickets, their first-ever victory against the domestic giants in over six decades of encounters. The long-awaited result lifted J&K to second place in Elite Group D, just below Mumbai, and marked another high point in a season defined by consistency and intent. Chasing 179 in the fourth innings, J&K found stability in opener

Qamran Iqbal, who produced a career-best 133 not out to steer the visitors home with ease. His assured innings, marked by composure and precision, rendered Delhi's bowlers ineffective and erased any early signs of nervousness. By holding his ground from start to finish, Iqbal cemented his place as one of J&K's most reliable top-order batters.

With the ball, J&K's control of the match began early. Auqib Nabi's sharp five-for (5 for 35) in the opening innings cut through Delhi's core, limiting them to 211. When Delhi sought to recover in the second dig, Vanshaj Sharma delivered a defining spell, finishing with 6 for 68 to deny any substantial resistance. Together, their efforts ensured J&K never relinquished command, supported by alert fielding and disciplined lines throughout the contest. For Delhi, Ayush Badoni continued



his impressive red-ball form with scores of 64 and 72, while Harshit Doseja offered brief resistance with a composed 65. Yet, beyond those efforts, Delhi's middle and lower order collapsed under sustained pressure, unable to counter J&K's varied attack. Earlier in the match, J&K had laid down the foundation for

victory through solid first-innings batting. Captain Paras Dogra's 106 anchored the early phase, while Abdul Samad's fluent 85 injected momentum and ensured a total of 310, crucially above par on a surface that demanded application. The partnership between Dogra and Samad shifted the tone of the game, forcing Delhi to chase from behind for the remainder of the match. Dogra's captaincy played a decisive role as well. His timely bowling changes, especially the introduction of Vanshaj Sharma at a critical stage, broke key stands. The final numbers told a story of control and confidence: J&K 310 & 179/3 beat Delhi 211 & 277 by seven wickets. Nabi's 5 for 35 and Sharma's 6 for 68 headlined the bowling effort, while Iqbal's unbeaten 133\* sealed the chase with poise.



# Rakul Preet Singh

Reveals What She Learnt From R Madhavan During De De Pyaar De 2: 'His Wisdom...'

Actress Rakul Preet Singh, who is awaiting the release of her upcoming film 'De De Pyaar De 2', has shared her experience of working with R Madhavan in the film. R Madhavan will be seen playing Rakul Preet Singh's father, and the key hurdle in Ashish and Ayesha's love story. Speaking about working with him as his on-screen daughter, the actress shared, "I have always been a fan of him. It was amazing associating with him as his daughter, I think we shared so many interesting conversations on sets, and learnt so much from him. What a fantastic actor he is, and I think whenever the person next to you is a great actor, your performance also enhances, and he helped me do that."



She further mentioned, "I think learning from his wisdom of all these years and just such a lovely person he is and so grounded, so amazing as a human being that it really reinstates the fact that you have to stay grounded, no matter how many years you have been in the industry, it's been an absolute delight working with him."

The sequel picks up the story, following Ashish and Ayesha as they navigate love, laughter, and drama as Ashish meets her parents. 'De De Pyaar De 2' is the sequel to 'De De Pyaar De', and is directed by Anshul Sharma, produced by T-Series Bhushan Kumar & Krishan Kumar and Luv Films Luv Ranjan & Ankur Garg.

The film stars Ajay Devgn as Ashish Mehra and Rakul Preet Singh as Ayesha Khurana,

continuing their age-gap romance from the original. The story sees Ashish trying to win over Ayesha's family, navigating awkward, funny situations spawned from the significant age difference and family dynamics. The film is set for a theatrical release on November 14, 2025.



## Bigg Boss 19: Ashnoor Kaur, Abhishek Bajaj Accused Of Faking Friendship, But Nishant Malkani Clears The Air



The latest Weekend Ka Vaar episode of Bigg Boss 19 shocked the audience with an unexpected double eviction. Following Neelam Giri and Abhishek Bajaj's exit from the show, Ashnoor and Abhishek's friendship started raising eyebrows. Famously known as AbhiNoor, Ashnoor and Abhishek were shown to develop a friendship in the show and remained inseparable throughout the season. However, a throwback video started making rounds on social media, suggesting the two contestants knew each other ahead of the show and faked their bond.

**Did Ashnoor Kaur and Abhishek Bajaj Know Each Other Before Bigg Boss 19?**

The viral video showed Ashnoor enjoying a concert with a man whose hand was visible in the video. Eagle-eyed fans found out an old picture from Abhishek's Instagram where he was seen attending the same event wearing the same shirt as seen in the video. Fans were quick to come to the conclusion that Ashnoor and Abhishek had gone to the show together and did not develop a bond inside the show. The video rapidly prompted huge responses from fans calling them out for "faking" their story.

One comment read, "So Bajaj and Noor knew each other before BB & were faking for 77 days that they met in BB. That's why I never felt connected with Bajaj. I knew he's fake & he's not brave enough to admit his marriage on NTV, coward and fake." While some fans called them out, others supported Abhishek and Ashnoor, stating, "They never said they didn't know each other."

The speculations came to an end when television star and Bigg Boss 14 contestant Nishant Malkhani took to comment sections, revealing it was him in the video and not Abhishek. "That arm with the sleeve in the beginning of this video is mine. Ashnoor is a kid, sis, and we attended that concert together. Kindly don't spread misinformation."

## Natasa Stankovic's Adorable Video With Son Agastya Has Fans Screaming 'We Love You'



Actor, model and influencer Natasa Stankovic continues to win hearts on social media, not just with her style but also with her relatable foodie side. Known for her elegant fashion sense and charming personality, Natasa recently treated fans to a delightful glimpse of her day filled with desserts, warmth and love. The actress, on Instagram, shared a series of adorable pictures with her son Agastya, giving her followers a peek into their bonding time. The mother-son duo appeared to be having a joyful moment surrounded by delicious sweets, proving that Natasa truly has a sweet tooth.

Dressed in a stunning dark olive green, off-the-shoulder dress featuring draped detailing across the bust, Natasa looked effortlessly glamorous. She accessorised the look with gold statement earrings with red spherical drops and a gold-toned bracelet adorning her wrist.

**"Serving Looks and Sugar," Writes Natasa**

In her caption, Natasa perfectly summed up her mood of the day, writing, "Serving looks and sugar." The playful line not only captured her love for desserts but also her confidence and charisma. Fans flooded the comments section with admiration for the actress. One fan gushed, "Cutieeee," while another wrote, "Gorgeous." A third admirer couldn't hold back and simply said, "Dammnnn."

**Natasa and Hardik Pandya's Relationship and Co-Parenting Journey**

Natasa's personal life has often been under public attention, especially following her separation from cricketer Hardik Pandya. The couple, who tied the knot in May 2020 and renewed their vows in a beautiful dual-ceremony, both Hindu and Christian traditions in February 2023, officially announced their split in July 2024. In a joint statement, they described it as a "tough decision" and emphasised their commitment to co-parenting their son, Agastya, with mutual respect and love. Despite the challenges, both continue to maintain a dignified and friendly relationship for their child's well-being.

**Hardik Pandya Moves On With Model Mahieka Sharma**

While Natasa's romantic life remains private post-separation, Hardik Pandya has reportedly found love again. The star cricketer is dating Indian model Mahieka Sharma, who has made a name for herself in the fashion industry. Mahieka has graced the covers of prestigious magazines like ELLE and Grazia and even won the Model of the Year title at the Indian Fashion Awards.

# Tamannaah Bhatia

Reacts To Ozempic Rumours; Amar Kaushik On Kiara Advani's Rumoured Exit From Anheet Padda's Shakti Shalini



Actress Tamannaah Bhatia's body transformation caught everyone's attention, and with the increased usage of Ozempic and Mounjaro by the public, many assumed that the actress had also resorted to such means. However, in a chat with Harper's Bazaar, Tamannaah clarified that she has always had a leaner physique with wider hips and waist. She said that while she did find it hard to manage her weight during COVID, she is embracing her natural body and features.

After weeks of buzz around Kiara Advani's rumoured exit from Shakti Shalini, the next film in Maddock's horror-comedy universe, director Amar Kaushik has finally addressed the speculation. The filmmaker, known for Stree and Bhediya, clarified that no casting decision was ever finalised, putting an end to the chatter about Kiara being replaced by Saiyaara breakout star Anheet Padda.

Television actor Nishant Singh Malkani has come out in defence of his friend and Bigg Boss 19 contestant, Ashnoor Kaur, after a recent video of hers from an old concert went viral. The actress, in the viral video, was seen dancing her heart out with a male friend, whose

face wasn't visible. As soon as the video went viral, it sparked rumours of Ashnoor hanging out with her BB19 BFF, Abhishek Bajaj.

Rapper Ice Spice and Indianapolis Colts' cornerback



Ahmed 'Sauce' Gardner have been sparking rumours since February. As fans began speculating about a possible love connection between the two, the rapper admitted she had dated Gardner in September.

AR Rahman returned to Hyderabad with a major concert at Ramoji Film City, and a huge crowd gathered to see him perform live again. The show started calmly as Rahman moved through some of his well-known songs, keeping the audience engaged. The atmosphere changed suddenly when Ram Charan and Janhvi Kapoor walked onto the stage without any announcement.

